हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

22 अगस्त, 1988

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 22 अगस्त,

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
बिहार के विधायकों के ि िाश्टमडल का स्वागत	(1)18
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)19
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए	(1)39

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	
अतारांकित प्र न एव उत्तर	(1)40
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(1)52
घोशणाएंः–	
अध्यक्ष द्वारा–	
(i) श्री तैयब हुसैन का त्यागपत्र तथा पुननिर्वाचन	(1)52
(ii) श्री खुद ीद अहमद का त्याग पत्र	(1)53
(iii)पैनल आफ चेयरमैन	(1)53
(iv) कमेटी औन पैटी ंन्ज	(1)53
अनुपस्थिति की अनुमति	(1)54
सचिव द्वारा घोशणा	(1)54
कार्य सलाहकार समिति की प्रथम रिर्पोट	(1)55
सदनक की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र	(1)56
वर्श 1983–44 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मोगे पे ा करना	(1)57

वि ोशाधिकार समिति के प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना–	
(i) श्री हजारी लाल, पुलिस उपाधीक्षक, जीद के विरूद्ध	(1)58
(ii) श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम, भूतपूर्व एम0 एल0 एज के विरूद्ध	(1)58
बिल्ज (इंट्रोड्यॅस्ड–सदन की अनुमति से)–	
(i) दि पंजाब ऐग्रीकेल्चरल प्रोड्यूस मार्किटस (हरियाणा सैकन्ड अमैंडमैट) बिल, 1988	(1)59
(ii) दि पंजाब न्यू टाउनि ापस् (स्ट्रीट लाइटिग एंड वाटर सप्लाई) फीस हरियाणा रिपील बिल, 1988	(1)62

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 2 मार्च, 2012

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 14–00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार मोहिन्दर सिहं चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: The Chief Minister will make obituary references.

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, हमारे साथी जो हमें छोड़ गए हैं, मैं उनके संबंध मे भाोक प्रकट कर रहा हूं।

श्री नित्यानन्द कानूनगो, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन साबिका केन्द्रीय मंत्री, श्री नित्यानन्द कानूनगो, के 2 अगस्त, 1988 को हुए निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री नित्यानन्द कानूनगों का जन्म 4 मई, 1990 को हुआ। उन्होंनें 1921 के असहयोग अन्दोलन सन, 1930 के नमक सत्यग्रह और 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में सरगर्मी से हिस्सा लिया। वे नमक सत्याग्रह ओर उसके बाद ाारत छोड़ो अन्दोलन के दौरान जेल में रहे। वे 1937 से 1939 और फिर 1946

से 1952 के दौरान उड़ीसा में मंत्री पद पर रहे। वे 1952, 1957 और फिर 1962 में लोक सभा के लिए चुने गएं वे 1954–55 में कामर्स और उद्योग और 1964–65 में नगर सिविल एविए ान के मंत्री रहे। वे 1965 से 1967 मु गजरात तथा 1967 से 1972 के दौरान वह चार बार राज्य के गवर्नर रहे। वे आल इंडिया ग्रामोद्योग के सदर तथा संगीत नाटक अकादमी के मैम्बर भी रहे। उन्होनें 1957 से 1962 के दौरान जनरल ऐग्रीमैंट आन ट्रेंड एंड रीफ्स की तथा इकौनोकिम कमीशन फार एि ाय एंड फार ईस्ट की मुख्तालिक दे ाों में कई मीटिगों के लिए कायम इंडियन डेलीगे ान की सरबराई की। वे 1961 में इकौनोमिक कमी ान फार एि ाया एंड फार ईस्ट के सदर भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतंत्रता एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी मैम्बर पार्लियामैंट की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री रघुवीर सिंह, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन साबिका मैम्बर पार्लियामैट, श्री रघुबीर सिंह, के 18 जुलाई, 1988 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री रघुबीर सिंह का जन्म 1927 को जिला गुजरांवाला में भोखपुर के मुकाम हुआ। वह छोटी उमर मे ही स्वतन्त्रता

आन्दोलन में कुद पड़े आजादी के बाद उनका समाज कलयाण जैसी सरगर्मियों में सरगर्म तौर पर हिस्सा लिया। 1953 मे वह करनाल नगरपालिका के म्यूनिसिपल कमि नर और वाइस–प्रजीडैंट चुने गए। 1972 में खालसा कालेज करनला की मैनेजिं कमेटी के सदउर चुने गए।

उन्होंनें मुख्तलिफ विपक्षी पार्टियों की सहायता से विपक्षी मोर्चा सफलता पूर्वक चलाया और आपातकाल के दौरान वे जेल गए। वे 1977 में कु क्षेत्र पालिर्ययामैटरी हल्के से लोक सभा के लिए चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पार्लियामैटेरियन की सेवाआं से वंचित हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

चौधरी राम प्रसाद हरियाणा के भूतपूर्व विधायक

यह सदन हरियाणा के साबिका एम0एल0ए0, चौधरी राम प्रसाद, के 16 अगस्त, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

चौधरी राम प्रसाद का जन्म 15 फरवरी, 1928 को हुआ। वे मार्किट कमेटी, रिवाड़ी के सदर और वाइस–चेयरमैन रहे। वे जिला दलित वर्ग संघ, गुडगांव के चेयरमैन और हरिजन सेवक संघ की जिला भाखा के जनरल सैक्रेटरी भी रहे। वे 1972 में बावल चुनाव हल्के से हरियाणा विधान सभा के मैम्बर चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक सरगम सामजिक कार्यकर्त्ता और हरिजनों व पिछड़े तथा के सुफाद हामी की सेवाओं से वचिंत हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना पकट करता हैं।

श्री वृश भान, पैप्सू के भूतपूर्व मुख्य मंत्री

यह सदन पैप्सू के साबिका मुख्य मंत्री श्री वृश भान, के 29 अप्रैल,1988 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री वृश भान का जन्म 9 सितम्बर, 1908 को हुआ। उन्होंनें 1942 में ''भारत छोड़ो'' आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे 1942 से 1948 के दौरान प्रजा मण्डल के नाम से म ाहूर पंजाब स्टेट्स पीपल्ज कान्फ्रैंस के सदर रहे। 1948 से 1952 में वे पैप्सू प्रान्तीय कांग्रेस समिति के सदर थे। वे 1951 से 1952 और 1954 से 55 के दौरान उस वक्त के पैप्सू राज्य के मुख्य मंत्री रहे। पैप्सू और पंजाब के एक हो जाने के बाद वे 1956 में मंत्री रहे। पैप्सू और पंजाब के एक हो जाने के बाद वे 1956 में मंत्री बने। 1962 में वे दुबारा पंजाब में मंत्री रहे। उन्होंनें स्वतन्त्रता संग्राम और पटियाला राज्य में कृ ाक आन्दोलन में सरगर्मी से हिस्सा लिया था। वे थापर कालिज ऑफ इंजीनियरिंग एंण्ड टैक्नोलाजी के ट्रस्टी और दयाल सिंह कालिज ट्रस्ट के मैम्बर थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पार्लियामेन्टेरियन और एक योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

श्री द्वारिका प्रसाद मिश्र, मध्य प्रदे ा के भूतपूर्व मुख्य

यह सदन मध्य प्रदे ा के साबिका मुख्य मंत्री श्री द्वारिका मिश्र के 31 मई, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोंक प्रकट करता हैं।

श्री द्वारिका प्रसाद मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1901 को हुआ। उन्होंनें 1920 में गांधी जी के आहवान पर कालिज छोड़ दिया तथा कलकत्ता से साया होने वाले अखबार ''अमृत बाजार पत्रिका''के ऐडिटोरियल स्टाफ में भाामिल हो गए। 1921 मे ''स्वतन्त्रतास आन्दोलन'' में हिस्सा लेने की वजह से वे गिरफ्तार कर लिए गए। वे 1926 में केन्द्रीय विधान सभा के लिए चुने गए। उन्होनें 1930 में हिन्दी अखबार ''जनमत'' भाुरू किया। उन्होंनें लाला लाजपतराय की मौात पर बरतानवी सरकार के खिलाफ सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असैम्बली में ऐतिहासिक सैंसर मो ान पे ा किया। वे 1930 और 1942 के दौरान स्वतन्त्रता आन्दोलन मे कई बार जेल गए। उन्होंनें 1942 में हिन्दी वीकली सारथि निकाला। वे 1937 मे मध्य प्रदे ा में लोकल सैल्फ गवर्नमैंट मंत्री बने। 1946 में

वे मध्य प्रदे ा के हाम मंत्री बने। वे 1963–67 के दौरान मध्य प्रदे ा के मुख्य मंत्री रहे। वे कई किताबों के लेखक थे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी एक म ाहूर पत्रकार और एक योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचति हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री के0 अबकांवर कुट्टी नाहा, केरल के भूतर्पव उप मुख्य मंत्री

यह सदन केरल के साबिका उप मुख्य मंत्री श्री के0 अबूकादर कुट्टी नाहा के 11 अगस्त, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री कुट्टी का जन्म 7 जून, 1921 को हुआ। वे इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग से जुड़े हुए थे। वे 1954 में मालाबार जिला बोर्ड के मैम्बर चुने गए। वे लगभग 30 साल केरल विधान सभा के मैम्बर रहे। वह 1968 तथा 1969 से 1979 तक केरल में मंत्री रहे। वे 1983 मैं केरल के उप मुख्य मंत्री बने।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा एक योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वचिंत हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के मैम्बरों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

सरदार गुरद र्शन सिंह, पंजाब के भूतपूव मंत्री

यह सदन पंजाब के साबिका मंत्री, सरदार गुरद र्शन सिंह, के 15 जुलाई, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

सरदार गुरद र्शन सिंह का जन्म 2 अगस्त, 1933 को हुआ। वे 1962, 1972 में और फिर 1980 में पजाब विधान सभा के मैम्बर चुने गए। वे 1972 व 1977 में फूड एण्ड सप्लाई राज्य मंत्री व लोक निर्माण मंत्री रहे। वे 1980–1983 में फूड एण्ड सप्लाई मिनिस्टर थे। उनकी गरीबों तथा कमजोर लोगों के उत्थान में गहरी दिलचस्पी थी।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वचितं हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक मे डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता हैं,,

सरदार उजागर सिंह, पंजाब के भूतपूर्व उप–मंत्री

यह सदन पंजाब साबिका उप–मंत्री, सरदार उजागर सिंह के 9 जून, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

सरदार सिंह का जन्म 4 मार्च, 1922 को हुआ। दस साल फौज में सेवा करने के बाद सरदार उजागर सि ने सियासी

जिन्दगी का आरम्भ किया तथा हरिजनों की बहबूदी के लिए सरगर्म तौर पर काम किया। वे 1962, 1972, 1977 तथा 1980 में पजाब विधान सभा के मैम्बर चुने गए। वे 1980–83 में उप–मंत्री रहे।

श्री के0 पंजाब वासुदेव पनिकर, संसद सदस्य

यह सदन श्री के0 वासुदेव पनिकर, मैम्बर पार्लियामैंट, के 2 मई, 1988 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री के0 वासुदेव पनिकर का जनम 1943 में केरल के अलेपी मुकाम पर हुआ। कानून के स्नातक श्री पनिकर 1960 से कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे। वे 1980 में आल इण्डिया कांग्रेस कमेटी के ज्वायंट सेक्रेटरी बने। वे 1984 में राज्य सभा के लिए चुने गए तथा 1986–87 में राज्य सभा की सदन समिति के सदस्य रहे। वे कइ पुस्तकों के लेखक थे तथा उन्होनें कई दे ाों का दौरा किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पार्लियामैटेरियन की सेवाओं से वचितं हो गया हैं। यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता हैं।

श्री ए0 आर0 मुरूगैया, संसद सदस्य

यह सदन मैम्बर पार्लियामैंट, श्री ए0 आर0 मुरूगैया, के 9 अप्रैल, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री मुरूगैया का जन्म 10 अप्रैल, 1941 को तमिलनाडु के टी0 कलाथौर गांव में हुआ। वे पे ो से किसान थे तथा उन्होंनें किसानों की किस्मत संवारने के लिए बहुत कुछ किया। वे 1984 में तमिलनाडू से लोक सभा के मैम्बर चुने गए। उन्होनें कई दे ाों की यात्रा की।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पार्लियामैंटेरियन की सेवाओं से वचित हो गया हैं। यह सदन दिवगंत के भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

श्री मधुसूदन आत्मा राम वैराले, संसद सदस्य

यह सदन संसद सदस्य, श्री मधूसूदन आत्मा राम वैराले, के 16 अप्रैल, 1988 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं। श्री मधुसूदन आत्मा राम वैराले का जन्म 11 नवम्बर, 1928 को महाराश्ट्र के अकोला नाम के मुकाम पर हुआ। उन्होंनें 1942 में भारत छोड़ो आंन्दोलन में सरगर्म तौर पर हिससा लिया तथा जेल की तकलीफें वरदा त की वे मातृ भूमि पत्रिका के सब–ऐडीटर थे। वे 1957 में महाराश्ट्र विधन सीाा के मैम्बर चुने

गए और 1972 तक भवन, संचार तथा टूरिज्म मंत्री रहे। वर्श 1980 से निधन तक वें लोक सभा के मैम्बर रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी तथा एक अनुभवी मैम्बर पार्लिययामैंट की सेवाओं से वचिंत हो गया हैं। यह सदन दिवंगत के भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपीन हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री0 टी0के0 बडुतला, संसद सदस्य

मैम्बर, पार्लियामैंट, के पहली जुलाई, 1988 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री टी0 के0 सी बडुतला का जन्म 23 दिसम्बर, 1921 को केरल के इरनाकुलम मुकाम पर हुआ। वे कई ऐजुके ानल व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। उन्होनें छुआछूत के खिलाफ बहुत कार्य किया तथा हरिजनों के मन्दिर में प्रवे ा के हक मे प्रचार किया। वे 1986 में राज्य सभा के मैम्बर चुने गए। वे कई किताबों के लेखक तथा ऐडीटर भी थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी पार्लियामैंटेरियन व एक म ाहूर भाौर्ट स्टोरी राईअर की सेवाओं से वचितं हो गया हैं। यह सदन दिवगंत के भाोक मे डूबे हुए सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

श्री गंगा भारण सिंह, भूतपूर्व राज्य सभा सदस्य

यह सदन साबिका मैम्बर राज्य सभा श्री गंगा भारण सिंह के 198 अगस्त, 1988 को हुए, दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं

श्री गंगा भारण सिंह का जन्म सन् 1905 में जिला पटना के खड़गपुर में हुआ। वे एक अजीम स्वतन्त्रता सेनानी और हिन्दी के म ाहूर लेखक थे। वे पटना जिला कांग्रेस कमेटी के सदर रहे। वे सच्चे गांधीवादी थे और इन्होंनें आजादी हासिल करने के लिए महान कुर्बानियां दी। वे सन् 1956 में राज्य सभा के मैम्बर बने और सन् 1962 में दुबारा राज्य सभा के मैम्बर चुने गए। इसके बाद सन् 1988 में वे छः वर्शो के लिए राज्य सभा के मैम्बर नामजद किए गए।

उनके निधन से दे ा एक सच्चे गांधीवादी म ाहूर हिन्दी लेखक और एक अनुभवी पार्लियामैटेरियन की सेवाओं से वचिंत हो गया हैं।

यह सदन उन के भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

श्री मेहरचन्द्र आहूजा, पंजाब के भूतपूर्व विधान परिशद सदस्य

श्री मेहर चन्द आहुजा, पंजाब के साबिका एम0एल0सी0 थे। यह सदन उनके जुलाई, 1988 में हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं। श्री मेहर चन्द आहूजा एक म ाहूर

स्वतन्त्रता सेनानी थे और जंगे आजादी के निडर सिपाही थे। वे श्री जय प्रका ा नारायण के साथियों में से थे। उन्होनें आजादी के लिए कई बार जेल काटी। अप्रैल, 1962 में वे एम0 एल0 सी0 चुने गए। यह सदन उनके भाोक मे डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

श्री संदीप चट्ठा सुपुत्र सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा, अध्यक्ष हरियाणा विधान सभा

यह सदन हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष, श्री हरमोहिन्दर सिह चट्ठा के सुपुत्र श्री संदीप सिंह के 23 अप्रैल, 1988 को हुए दु:खद निधन परी गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं

श्री खु ादेव, सुपुत्र श्री हरनाम सिंह हरियाणा विधान सभा

यह सदन हरियाणा विधान सभा के मैम्बर सरदार हरनाम सिंह के सुपुत्र की दु:खद घटना में हुई मृत्य ु पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं

यह सदन उनके भाोक में डूबे हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

21–8–1988 को उत्तर पूर्व भारत में भूचाल से मरे नागरिक

यह सदन कल के भूचाल में प्रभावित उत्तरी पूर्वी भारत के तमाम लोगों के साथ अपनी हार्दिक हमदर्दी प्रकट करता हैं और सैकड़ो नागरिको के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

यह सदन, जिनकी कल के भूचाल में मृत्यू हुई, उनके भाोकग्रस्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक सवेंदना प्रकट करता हैं।

श्रीमति गुरप्रीत कौर, श्री गुरदीप सिंह, जनरल जिया–अल–हक, चौधरी चन्दगी राम, श्रीमती आ ाा देवी तथा हरियाणा राज्य में नलकूपों से गैस निकलने तथा पानीपत पिहोवा और कुरूक्षेत्र कस्बों में उग्रवादियों का ि ाकार हुए व्यक्ति

सिचाई तथा बिजली मंत्री(श्री वीरेन्द्र सिंह)**:** स्पीकर सर, अभी लीडर आफ दि हाउस ने औबिचुअरी रैफैन्सिज पे ा किए। एक दो नाम उनसे रह गएं। हमारे इस हाउस के माननयी सदस्य डाक्टर हरनाम सिंह के बेटे श्री खु ादेव सिंह के बारे मे तो मुख्य मंत्री महोदय ने कहा हैं लेकिन उसी दिन और उसी कांड में टैरोरिस्टस का मुकाबला करते हुए नक केवल उनपके सुपुत्र भाहीद हुए बल्कि उनकी पुत्रवधु श्रीमती गुरप्रीत कौर उनके लड़के के साले श्री गुरदीप सिंह ने भी उनका बडे हौसले के साथ मुकाबला

किया। डाक्टर हरनाम सिंह और उनकी धर्मपत्नी श्री उस मुकागले में जख्मी हुए। उन्हें यहां पी0 जी0 आई0 चण्डीगढ़ लाया गया। भी उस मुकाबले मे जख्मी हुए। उन्हें यहां पी0 जी0 आई0 चण्डीगढ़ लाया गया। स्पीकर साहब, टैरोरिस्टस का जिस मरदानगी और हौंसले के साथ माननीय सदस्य के घर वालों ने , पत्नी और उन्होनें स्वयं मुकाबला किया वह बहुत ही सराहनाके काबिल हैं जब मैं उनसे हौस्पिटल में मिलने गया और उन्हें अफसोस जाहिर किया तो जिस दिलेराना तरीके से डाक्टर हरनाम सिहं ने कहा,वह काबिले तारीफ है। कहने लगे कि जब हमने यह मि ान उठाया हैं टैरोस्टिस को कुचलने का उनके खिलाफ बोलने का, तो यह बात तो फेस करनी पड़ेगी। उन्होनेंबहुत दिलेराना बात कही। मैं मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा हैं, उसके साथ ही उनकी पुत्रवधु श्रीमति गुरप्रीत कौर और उनके साले के लड़के गुरदीप सिंह का नाम भी इसमें जोड़ रहा हूं।

श्री मंगल सैन रोहतकः अध्यक्ष महोदय, पिछले सदन के सत्रावसान के प चात आज जब हमारा सदन मिल रहा हैं, उस बीच मे जो महानुभावो या विभूतियों इस संसार से चली गयी हैं, परिपाटी के अनुसार उनकी श्रद्धांजलि इस विधान सभा में दी जाती है। सदन के नेता ने विस्तार से बहुत कुछ श्रद्धांजलि दी हैं और कुछ एकाध नाम रह भी गए थे,जिन्हें हमारे संसदीय कार्य मंत्री, चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने उसमें भाामिल कर दिया हैं। अध्यक्ष महोदय, कुछ को तो मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। जैसे नम्बर दो पर

हमारे सरदार रघुवीर सिंह जी हैं वे मैम्बर पार्लियामैंट कुरूक्षेत्र से रहे हैं। अगर मैं गल्ती नहीं करता ता वे पीछे से आपके जिले के रहने वाले थे। बड़े मर्द आदमी थे। अकाली होते हुए भी तंग दिल नही थे। हिसार जिले मे हम किसान आन्दोलन में एक बार पकड़े गए। आपको याद होगा जब किसानों के गेहु का भाव 72 रूपये से बढ़ता नहीं था, तब की बात हैं, चौधरी भजन लाल और बंसी लाल की आपस की बात के कारण किसान को नुकसान हो रहा था। उस समय चौधरी देवी लाल जी ने आन्दोलन चलाया था। मैं हिसान में भााम को पकड़ा गया। वहां पर इतने में सिरसा से सरदार रघुवीर सिंह जी को भी ले आए। भााम को ही चौधी देवी लाल को भी साथ ले आए। इनके साथ जनता की हमदर्दी थी। भााम को ही चौधरी देवी लाल को भी साथ थे।पुलिस वालों का कद जरा छोटा था और चौधरी देवी लाल जी का कद लम्बा हैं। चोटैं इनको आयी। हमारी बुजुर्ग माता जी ने जब वहां पर आकार चोटों के बारे में पूछा तो मैंने यह कहा यह तो चौधरी देवी लाल जी का कुर्ता हैं, उन्हें तो चोटें आयी हैं। मैंने तो इसका प्रसंगव ा जिक्र कर दिया। रघुवीर सिंह जी एक मर्दाना आदमी थे। कई बार हम जेल भी इकट्ठे गए। उनके बर्जुर्ग पिता चाहे वह अकाली पार्टी के थे या यूनियनिस्ट पार्टी के साथ थे, वह बड़े ही दिलेर आदमी थे। गुजरांवाला और भोखपुरा के आदमियों को करनाल जिले में आबाद कराने में उनके बुजुर्गो का बहुत बड़ा हाथ रहा हैं। स्पीकर साहब, इसके साथ ही साथ एक और नाम बाबू वृश भान का जुड़ा हैं। वह पैप्सू के मुख्य मंत्री थे। मुझे एक

लड़के को जानता था। उसके नम्बर बहुत अच्छे थे। मैं उनके घर सादा लिवास में चला गया। तो कहने लगे कि कैसे आए हो? मैंने कहा कि यह अजीज हैं। गरीब का लड़का हैं। नम्बर बड़े अच्छे हैं लेकिन लिया नही जा रहा हें। उन्होनें कहा कि यदि गरीब का बेटा हैं, तो जरूर लिया जाएगा। मैं उस बात को भूल नही सकता। उनके साथ मैं विधान सभा में भी रहा हू। वे पंजाब में मंत्री भी रहे है। जब मैं उनकीकारगुजारी देखता हूं तो वह किसी से पीछे नहीं रहे। आजादी की जंग में रियासतो की दुगुनी–तिगनी गुलामी हुआ करती थी। उसका भी उन्होनें डटकर मुकाबला किया। एक समय ऐसा आया जब सरदार प्रताप सिंह कैरो के साथ भी उनकी नहीं बनी। चौधरी देवी लाल के साथ मिलकर उन्होनें, अगर मै नहीं भूलता तो गणतन्त्र परिशद बनायी। पहले भी वे दिलेराना ढंग से संघर्श करते रहे। ऐसे आदमी इस संसार से चले गए। पुरानी पीढ़ी के ये लोग हमारे बीच से चले गए, इस बात का हमे कश्ट हैं।

श्री द्वारिका प्रसाद, मध्य प्रदे ा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री के मैंने द र्ान तो नहीं किए लेकिन उनकी ख्याति बड़ी सुनी हैं। आज भारत की राजनीति में एक मोर्चा बना हैं। श्री वी0 पी0 सिंह के नेतृत्व में वे इस मोर्चा में भाामिल थे।श्री विद्याचरण भाुक्ल तो कांग्रेस में जा रहे हैं। लेकिन दूसरे भाई यहां आ रहे हैं। वे एक बड़े पुराने स्वतन्त्रता सेनानी थे जिन्होंनें दे ा की आजादी के लिए सब कुछ बलिदान कर दिया। स्पीकर साहब, उनके परिवार

तक ने बहुत कश्ट उठाए थे, वे महानुभाव इस संसार से चले गए, इसका इसका हमें बहुत भारी रंज हैं। स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल और चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने अभी हमारे एक मित्र श्री मेहर चन्द्रे आहुजा का जिक्र किया। वे बहुत ही गुणें के मालिक थे। वे विधान परिशद में चुनकर आए थे या नौमिनेट हुए थे लेकिन वे विधाप परिशद में बहुत रौनक लगाया करते थे। सरदार प्रताप सिंह ने उनको यह सोचकर भेजा कि वे हाउस में उनकी मदद करेंगे लेकिन वे हमे ाा सच बात ही कहा करते थे। उन्होनें जिन्दगी की आखिरी सांस तक सही बात की। उनके चले जाने का बहुत ही रेज हैं कि ऐसे सच्चे आदमी इस संसारर से चले गए।

स्पीकर साहब, मुंगेर और मधुबनी में बड़ा भारी भूकम्प आया हैं और नेपाल में भी भूकम्प आया हैं। इस भूकम्प मे भारत के छः सौ आदमी मर गए। इनका भी हमें बहुत दृःख हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं दो बाते और कहना चाहता हूं। पहली बात तो यह हैं कि कुरूक्षेत्र और पेहवा में आतकवादियों ने बहुत सारे निर्दोश लोगों को हत्या की इसका हमें अधिक दुःख हैं। इस सदन को उन लोगों को भी श्रद्धांजलि देनी चाहिए।

दूसरी बात यह हैं कि पड़ौसी दे ा के प्रैजीडैट की विमान दुर्घटना मे मृत्यु हो गई हैं। अच्छा होगा कि उनको भी इस लिस्ट में भाामिल कर लिया जाए। यह बात ठीक हैं कि उनके साथ हमारे विचार नहीं मिलते थे। वे लोकतन्त्र के भात्रु थे

और हम लोकतंत्र में भरोसा करते हैं। मेरा सुझाव हैं कि जिनकी अकस्मात मृत्यु हो गई हैं उनका नाम इस प्रस्ताव में भाामिल कर लिया जाए। अन्त में मैं अपनी ओर से और अपने दल की और से लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा हैं उसमें अपने आपको और अपने दल को भाामिल करता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुझे बड़े अफसोस से कहना पड़ रहा हैं कि इस बार बहुत सारे लोग हमारे बीच से चले गए हैं। स्पीकर साहब, हमारे से कुछ भूल हो गई कि कुछ नाम रह गए।

इस सदन के माननीय सदस्य चौधरी मनफूल सिंह बाल्मीकि के पिता चौधरी चन्दगी राम का देहान्त हो गया। हालाकि अभी उनकी ऐसी उमर नहीं थी लेकिन विधि के विधान` अनुसार यह दुनिया चलती हैं इस सदन को चौधरी मनफूल सिंह, जो इस सदन के माननीय सदस्य हैं और उनके परिवार से पूरी हमदर्दी हैं क्योंकि वे अब बिना बाप के हो गए हैं।

स्पीकर साहब, इस हाउस के माननीय सदस्य चौधरी जबपाल सिंह की मता, श्रीमती आ ाा देवी का पिछले देहान्त हो गया। उनके प्रति भी यह सदन अपनी संवेदना प्रकट करता हैं। इसके अलावा पिछले दिनों हरियाणा प्रान्त में कुओं से गैस

निकलकर कुछ मौंते हुई उनके परिवारों को भी यह सदन अपनी ओर से संवेदना प्रकट करता हैं।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवाल महाराजपुर): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज लगभग 6 महीने बाद फिर उसी प्रक्रिया के मुताबिक जो इस संसार से चल रही हैं हमारे बीच में से जो अनेक महान विभूतियां चली गयी है, उनके वशिय में इस महान सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं, मैं अपनी व अपने दल की ओर से अपनी भावनांए उसके साथ जोडता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यक्तिगत तौर पर इन महानुभावों से कोई अधिक ज्यादा वास्ता नहीं रहा हैं। वे उमर के लिहाज से बहुत पुराने महानुभाव थे। अभी डाक्टर साहब ने उनमें से कुछेक के मुताल्लिक उनके कार्यो व उनके गुणों पर कुछ रो ानी डाली हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं तो इतना ही कहूंगा कि इस दे ा और प्रदे ा की जो महान, विभूतियां हमसे बिछुड़ गयी हैं, वे एक महान भाख्सियत थी जो कि हमसे विदा हूई हैं। मैं सिर्फ अपनी भावनांए ही यहां पर व्यक्त कर सकता हूं। अभी भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने भी बताया कि हमारे एक विधायक जी के सिर से उनके पिता का साया उठ गया हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो एक छोटा सा नुकसान भी बड़ा जबरदस्त दुःख हैं। जो महान विभूतियां हमसे बिछुड गयी हैं उनमें से ज्यादातर तकरीबन स्वाधीनता संग्राम अग्रणी और उनके रहनुमा रहे है। इन स्वाधीनता संग्राम अग्रणियों के लिए जब तक यह दे ा रहेगा, हिन्दोस्तान रहेगा, हमारा

इतिहास रहेगा, तब तक यह हाउस ही नहीं दे ा का बच्चा–बच्चा हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता रहेगा और उनके लिए नम्न करता रहेगा।

अध्यक्ष महोदय, आपके होनहार बेटे का एक हादसे में निधन हो गया हैं ओर उसका अनुभव तो आप स्वयें ही कर सकते है। हम तो केबल अपनी भवनाए ही प्रकट कर सकते हैं। अपनी भवनाओं के द्वारा ही आपके साथ भारीक हो सकते हैं। एक जवान पुत्र का बिछुड जाना एक महान दु:ख हैं।

हमारे एक सम्माननीय सदस्य डाक्टर हरनाम सिह जी के जवान सुपुत्र भी आतंकवादियों के साथ मुकाबले में भाहीद हो गए जिसाक हमें बेहद दु:ख। क्योंकि हमारे गुहस्थ जीवन में चार दु:ख माने गए हैं जिनमें से एक दु:ख जवान पुत्र का हैं। इसके लिए कहा गया हैं कि–

भाई मरन भूमि छॅूटन और सतवन्ती नार,

पुत्र बिछोड़ा होत हैं दु:ख दारण ये चार।

इस तरह का यह महान दु:ख आपके व डाक्अर हरनाम सिंह जी के ऊपर आ पड़ा हैं। भगवान आप को इस दु:ख को सहन करने की भाक्ति दे। अन्त में, मैं फिर एक बार उन महान विभूतियों को जो आज हमसे बिछुड गए हैं, हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता ह और प्रभु से यह प्रार्थना करता हूं कि इनके भाोक

संतप्त परिवारों को भाक्ति प्रदान रके ताकि वे इन दु:खों को सहन कर सकें।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन के सामने प्रस्तुत किया हैं और जिन महानुभावों के दिवगंत हो जाने पर उनको श्रद्धांजलि भेट करते हुए जो भवनाएं व्यक्त की हैं उनमें मैं अपने आपको भारीक करता हूं मैं बहत लम्बी चौडी बात न करता हूआ केवल दो तीन महानुभावों का वि ोश रूप से उल्लेख,ा करना चाहता हूं। उन में प्रमुख हैं बाबू बृश भान जी, जिनके साथ मेरा बहुत लम्बा सम्पर्क रहा हैं। वे हमारे नेता थे। रियासती प्रजामण्डल के आन्दोलन में वर्शो तक मैंने उनके नेतृत्व में काम किया हैं।

अध्यक्ष महोदय, गुलामी के दिनों में भारतवर्श दो भागों में बेंटा हुआ था। एक ब्रिटि ा भाग और एक दे ाी रजवाड़ो का भाग था। मै आपको बतलाना चाहता हूं कि दे ाी रजवाड़ो की प्रजा का, जनता का उस समय जो बुरा हाल था उसका मैं जिक्र नहीं कर सकता। वह गुलामी के दो पाटों में पिस रही थी। उन पर अत्याचार और दमन होता था जोकि लोमहर्शक था। ब्रिटि ा भाग के अन्दर अजादी का आन्दोलन बड़े जोरों से चल रहा था जबकि खासतौर से पंजाब की रियासतों के अन्दर इस प्रकार का आन्दोलन नहीं था।वहा ंही जनता पूीी तरह से दबी हुई थी।

अध्यक्ष महोदय, 1938 में पंडित जवाहर लाल नेहरू लुधियाना में आए और उन्होंनें वहां पर एक दे ाी रियासत की प्रजा का सम्मेलन किया। बाबा धर्मसिह धूल होते थे, जो बहुत ही दे ा भक्त थे। वे उस सम्मलेन के स्वागताध्यक्ष थे। पंडित जी के ओजस्वी भाशण की प्रेरणा से पंजाब की रियासतों के अन्दर यह आन्दोलन भाुरू हुआ था। मैं यह बताना चाहता हूं कि उस दिन से बबू वृश भान जी ने पंजाब के राजवाड़ो का आन्दोलन चलानपे का जिम्मा अपने ऊपर लिया और दे ा की स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए अपने कर्तव्य को निभाते रहे। बाबू जी बहुत महान आदमी थे, बड़े सुलझे हुए विचारों के व्यक्ति थे और बड़े निडर थे। अध्यक्ष महोदय, पटियाला के अन्दर तो यह हालत थी कि बाबू वृश भान को पटियाला की हद्द के अन्दर दाखिल नहीं होने दिया जाता था। उनको जिला वतन किया हुआ था। अगर उनका काई साथी भी उस रियासत में चला जाता था तो उसकी बुरी हालत की जाती थी। एक श्री सतपाल आजाद भटिडा के थे, उनकी माता बीमार थी वे उसका पता करने कै लिए पटियाला चले गए। पुलिस को पता चल गया कि सतपाल आज रियासत में आया हुआ हैं। उसो कपड़ कर इतना पीटा गया कि उसने तड़प कर अपने प्राण दे दिए। किसी व्यक्ति की उस समय हिम्मत नही पड़ी कि उसे प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट कर सके। ऐसी हालत के अन्दर बाबू वृश भान जी`न रियासत के अन्दर काम किया। उन्होनें न केवल पंजाब की रियासतों में काम यिका बल्कि हिमाचल प्रदे ा की भी छोटी छोटी रियासतों के अन्दर काम किया। वहां जेलों के अन्दर बहुत

यातानांए दी जाती थी। हमारे कई स्वतन्त्रता सेनानी हैं जिनमें एक चौधरी देवी लाल जी भी हैं। ये अनेक बार जेलों में गए। प्रदे ा भर की जेलों के बारे में इनका तो अनुभव हैं ही लेकिन हम भी सुनते रहे हैं कि वहा किस किस किस्म की यातनांए दी जाती थी। उस समय जेल में ए, बी, सी क्लासिज भी दी जाती थी लेकिन अध्यक्ष महोदयस, मैं अपने अनुभव के आधार पर कहता हूं कि रियासतो ंके अन्दर हमें क्रिमिनल कैदी माना जाता था, राजनैतिक केछी नहं माना जाता था। हम जितनी देर जेल में रहते थे, हमारे पैरों में बेड़िया पड़ी रहती थी, हमारे से कुएं चलवाए जाते थे तथा चक्की चलवाई जाती थी। दे ाी रजवाड़ो के खिलाफ जो आन्दोलन चला उसका अधिक से अधिक श्रेय बाबू वृश भान को जाता हैं। स्वाधीनता के बाद जब पैप्सू बना तो बाबू जी उसके मुख्य मंत्री रहे। वे पैप्सू कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। जब पैप्यू पंजाब से लिय हो गया तो वे डिप्टी चीफ मिनिस्टर भी रहे और मिनिस्टर भी रहे। वे बड़े सुलझे हुए व्यक्ति थे। उनका जन्म टोहाना और जाखल के बीच पड़ते मूनक गांव में हुआ था। उन्होनें सुनाम में प्रैक्टिस की थी।उसके बाद वे पटियाला चले गए। उन्होनें जीवन पर्यन्त दे ा की सेवा की। मै ंउपनी श्रद्धा के फूल उनके चरणों में अर्पित करता हूं ओर सदन के नेता ने उनके प्रति जो भाव व्यक्त किए उनमें मैं भाामिल होता हूं।

श्री मेहर चन्द आहूजा इतने अच्छे वक्ता थे कि दो–तीन घंटे लगातार बोला करते थे और उनको सुनने वाले हजारो आदमी

उठने का नाम नही लेते थे। वे समाजवादी धरा के समर्थक थे। उन्होनें डा0 लोहिया और श्री जया प्रका ा नारायण का बड़ा भारी साथ दिया। वे पंजाब के अन्दर समाजवादी आन्दोलन के जन्म दाता थे वे हमारे साथ रहे। उनके निधन पर भी मैं गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

इसके अलावा बिहार के श्री गंगा भासरण सिंह, जिनको प्यार से गंगा बाबू कहा जाता था, के निधन से भी हमे गहरा भाोक हैं। हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए और हिन्दी साहित्य के सृजन के अन्दर उनका बड़ा भारी योगदान रहा। ऐसे महान नेता के निधन से जो क्षति हुई हैं, वह पूरी नहीं हो सकती।

इनके अलावा अध्यक्ष महोदय, आपके सुपुत्र के देहात से जो आघत आपके लगा उसके बारे मे मैं कह सकता हूं कि युवा पुत्र के निधन से बहुत जबरदस्त चोट लगती हैं। लेकिन आप जानते हैं कि सब प्रभु की इन'दा पर होता हैं।

डा हरतान सिंह के साथ भी बड़ा आघात हुआ। बड़ी बहादुरी के साथ आतंकवादियो से मुकाबला करते हुए इनका पुत्र पुत्र वधु तथा इनके साले का लड़का भाहीद हो गए। मैं उनको भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हू। इन भाब्दों के साथ मैं सदन के नेता द्वारा प्रस्तुत भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

कामरेड हरपाल सिंह (टोहाना): स्पीकर साहब,हमारे सदन नेता ने दिवंगत नेताओ ंके प्रति भाोक प्रस्ताव रखा हैं

उनके प्रति मैं अपनी ओर से भाोक प्रस्ताव रखा हैं उनके प्रति मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ साथर मैं उन साथियों का भी जिकर करना चाहूंगा जिन्होंनें दे ा की एकता के लिए अपनी कुर्बानी दी हैं। पंजाब के अन्दर भूतपूर्व पंजाब के विधायक श्री हरबंस बिका थे उनको जालधर के पास उग्रवादियों ने गोलियां मार कर हलाल कर दिया। इस भाोक प्रस्ताव में मैं उनका नाम भी जुडवाना चाहूंगा क्योंकि दे ा की एकता के लिए उस भूतपूर्व विधायक ने अपनी कुर्बानी दी हैं। इसके साथरी ही जो महान विभूतियां हमसे बिछुड़ गई हैं उनके बारे में मैं निजी तौर पर नहीं जानता। मेरी छोटी उमर हैं लेकिन जिन्होंनें आजादी के आन्दोलन में हिस्सा लिया और जिन्होंनें आजाद हिन्दुस्तान की एकता के लिए अपनी कुर्बानी दी हैं उने प्रति मैं संवेदना प्रकट करता हूं। हमारे विधायक साीी डाक्अर हरनाम सिंह जी के लड़के के साथ मेरे जिनी ताल्लुकात थे। 1980 के अन्दर विद्यार्थी आन्दोलन में हम दानों साथ थे और उस समय हमारे माननीय सदस्य श्री रण सिंह मान भी हमारे साथ चण्डीगढ़ जेल मे थे। उस समय पहली दफा डाक्टर साहब के लड़के के साथ मेरी मूलाकात हुई इसके बाद जब हम कुरूक्षेत्र मे वकालत करते थे तो हर रोज मुलाकात होती थी। उनके साथ जब भी दे ा के मौजूदा हालात और उग्रवादियों के बारे में बातचीत होती थी तो वह बार–बार जिकर किया करते थे कि पता नहीं कैसे उग्रवादी आकर लोगों को मार कर चले जाते हैं। पता नहीं आगे से लोग विरोध क्यों

नहीं करते? क्या कारण हैं कि लोग हाथ खडे कर के मर जाते हैं। उसकी ऐसी भावनांए थी। जिस दिन उग्रवादियों ने उस पर हमला किया उस दिन उसने यह साबित कर दिया कि बिना हथियार के उग्रवादियों का मुकाबला किया जा सकता हैं और उनको मारा भी जा सकता है। उस मुकाबले में हमारे साथी भाहीद हो गए। उनके साथ उनकी पत्नी, उनका भाई भी भाहीद हो गए। मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जिस समय वे भाहदी हुए उस समय हमारी सरकार ने एक वायदा किया था कि उनकी यादगार स्थापित की जाएगी। तो वह यादगार स्थापित की जाए ताकि हमारी तरह की आने वाली पीढी, नौजवान पीढद्यी उस यादगार से सीख पाए और उनकी याद रख पाए। मे ंसदन के नेता से कहना चाहूंगा कि वे उनकी याद में यादगार स्थापित करें। जिन लोगों ने आजाद हिन्दुस्तान की एकता के लिए अपनी कुर्बानी दी हैं उनकी याद में यादगार अव य स्थापित की जाए। इसके साथ –साथ में उन लोगों को भी जो उत्तरी पूर्वी राज्यों में भूचाल से सैकड़ो की तादाद में मारे गए हैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की और से तथा भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, सदन के नुता ने जो भाोक प्रस्ताव रखे हैं मैं अपने आपको उनके साथ जोड़ता हूं बाबू वृश भान इस दे ा के अन्दर दोहरी गुलामी के

खिलाफ लड़े। एक गुलामी अंग्रेज की थी उसके खिलाफ लड़ और दूसरी गुलामी राजाओं की थी उसके खिलाफ भी लड़े। राजाओं की जो गुलामी थी वह बहुत सख्त गुलामी थी जिसमें किसी को बोलने के भी अधिकार नहीं थे, उस समय कोई अदालत नहीं थी, कोई अपील नहीं थी और नही कोई वकालत थी। उन्होनें तमाम यातनाओं के साथ केवल रजवाड़ा ााही का ही मुकाबला नहीं किया बल्कि उसको जड़ से उखाड़ फैंका। हमारा दे ा आजाद हुआ और रजवाड़ा भााही खत्म हो गई। जिस समय पैप्सू एक राज्य बना उस समय वे मंत्री भी रहे और मुख्य मंत्री भी रहे। मैं खास तौर पर यह कहना चाहता हूं कि वे कांग्रेस के मुख्य मंत्री रहे।व पिछले पीरियड में एक ऐसे मुख्य मंत्री रहे जिनके ऊपर आज भी हम गौरव कर सकते हैं। उन पर कोई लांछन नहीं हैं। उन के बारे में कभी कोई कमी या कमजोरी सुनने मे आई हो ऐसी बात नहीं हैं। जिन बातो ं के लिए वे द ा की आजादी के लिए लड़े जब उनके हाथ मं सत्ता आई तो उन्होनें उस सत्ता का प्रयोग उन्हीं बातों के लिए यानी गरीबों के कामों के लिए या मुजारो के कामो के लिए किया।

सरदार रघुबीर सिंह करनाल में रहते थें वे कुरूक्षेत्र हल्के से पार्लियामैंट के मैम्बर बने। यहां भी हम इकट्ठे ही आए थे। मैं और सरदार बूटा सिंह जी उनको ओर उनके परिवार को अच्छी तरह से जानते हैं। उनका अकाली पार्टी में कितना सम्मान हर जगह बहुत था। वे हमारे बीच से चले गए हें इसके साथ ही

जा हमारे दूसरे नेता हम से बिछुड़ गए हैं उन सब ने अपने काय्र क्षेत्र में दे ा की आजादी के लिए दे ा की जनता के लिए अपनी जिन्दगी कुर्बान की हैं।

मेहर चन्द आहूजा को मैं निजी तौर से जानता हूं। वे बहुत अच्छे वक्ता थें। वे अपने विचारों के पक्के थे। वे सारी जिन्दगी सो ाल विचारों के लिए लडतें रहे। उन्हें उनके काम से कोई डगमगा नही सका।

स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र और पेहवा में उग्रवादियों द्वारा जो हत्याएं हुई हैं उनके नाम भी इन भाोक पस्तावों में भाामिल करने के लिए कहा गया है। इस संबंध में मैं मुख्य मत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि कुरूक्षेत्र और पेहवा के साथ साथ पानीपत में उग्रवादियों न जिन लोगों को मारा हैं उनके नाम भी इन प्रस्तावों में भाामिल कर लेने चाहिए।

इसी प्रकार से बिहार में कल जो भूचाल आन सें जान माल का नुकसान हुआ हैं, उनके साथ भी मेरी हमदर्दी हैं। बिहार में कल जो घटनाएं हुई हैं, उसके बारे में मैं अपनी सरकार से कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार को उनकी कुछ वित्तीय मदद अव य करनी चाहिए। आखिर हम सब दे ा के वासी हैं। इस विपत्ति की घड़ी मे हमें उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

स्पीकर साहब, हमारे पड़ौसी पाकिस्तान के सदर जिया–उल–हक की एक हादसे मे मौत हुई हैं। मैं समझता हूं कि

इन भाोक प्रस्तावों में उनका भी नाम आना चाहिए। यह अलग बात हैं कि सारी जिन्दगी हमारे उनके साथ मतभेद रहे हैं। डाक्टर मंगल सैन जी ने ठीक कहा हैं कि वह डैमोक्रेसी के दु मन थे और हम डैमोक्रेसी के समर्थक हैं। यह मतभेद तो हमारा उनके साथ हो सकता हैं लेकिन यह बात भी ठीक हैं कि किसी मौत के बाद हमारा उसके साथ कोई मतभेद नही रहता। मैं उन्हें भी अपनी तरफ से श्रद्धांजलि देता हूं। लेकिन साथ ही साथ मै यह बात भी कहना चाहूंगा कि जो तजुर्बा पाकिस्तान के लोगों के सामने इस हादसे के बाद आया हैं उससे हमारे दे ा के लोग ओर जहा पर फौज का राज हैं, फौज की डिक्टेटरि ाप हैं, समझेंगे कि एक डिक्टेटरि ाप का अन्त कैसे होता है?

अन्त में मैं, अपनी स्पीकर साहब के जवान पुत्र की एक ऐक्सीडैट में हुई मृत्यु पर भी अपना दु:ख हैं जिसका कोई ब्यान नहीं किया जा सकता। इस हादसे को किसी के साथ नापा नही जा सकता। मेरे साथ भी ऐसा ही एक हादसा हो चुका हैं। हम दोनो बैठ कर अपने दु:ख सुख के बारे मुं बाते ंकरते रहते हैं। जब हम इक्ट्ठे बैठते हैं तो एक दूसरे को सहारा देते हैं। मुझे इनके जवान पुत्र की मृत्यु पर बड़ा दु:ख हैं। इनके परिवार में वह एक ऐसा बच्चा था जो आगे चल कर दे ा की और जनता की न जानले कितनी सेवा करता। मैं इस ऐक्सीडैन्ट में हुई श्री चट्ठा साहब के लड़के की मौत पर दु:ख प्रकट करता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अपना स्थान लेता हूं

चौधरी देवी लालः स्पीकर साहब, मैंने जो भोक प्रस्ताव रखे हैं उनमे भूल से कुछ नाम रह गए हैं। डाक्अर मंगल सैन जी ने ओर डाक्अर हरनाम सिंह जी ने ठीक कहा हैं कि उग्रवादियों द्वारा जो हत्याएं पानीपत कुरूक्षेत्र और पेहवा में हुई हैं, उनके नाम भी इन भाोक प्रस्तावों में आने चाहिए। मैं समझता हूं कि इनके नाम जोड़े जाने चाहिए, और इन सब के नाम आज के इन भाोक प्रस्तावों में भाामिल करता हूं।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से जिया–उल–हक का नाम इन भाोक प्रस्तावों में जोड़ने से रह गया हैं। इस बारे मे वि ोशकार डाक्टर मंगल सैन और हरनाम सिंह ने कहा हैं कि उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावों में आना चाहिए। वे हमारे पड़ौस के सदर थे। उनके निधन पर यह हाउस अपना दुःख प्रकट करता हैं और यह असैम्बली अपना दुःख उनके परिवार तक पहुंचा देगी। इसलिए मैं उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावों में जोड़ता हूं।

स्पीकर साहब, श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने हमारे साथी श्री मनफूल सिंह के पिता श्री चन्दगी राम का नाम भी इन भाोक प्रस्तावों में जोड़ने के लिए कहा हैं, उनका पिछले दिनों निधन हो गया था। उन के प्रति भी यह हाउस अपना दुःख प्रकट करता हैं और इन भाोक प्रस्तावों में उनका नाम भी ाामिल किया जाता हैं।

स्पीकर साह, यह सदन कुओं में गैस भरे जाने से जिन लोगों की मौत हुई हैं उनके प्रति भी अपना दुःख प्रकट करता हैं।

स्पीकर साहब, हमारे एक और साथी श्री जगपाल सिंह की माता को भी पिछले दिनो मौत हो गई। उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावों में भी भाामिल करता हूं।

अन्त में स्पीकर साहब, बिहार में आए भूचाल से जिन लोगों की मृत्यु हुई हैं उनके प्रति भी यह हाउस अपना दुःख प्रकट करता है। यह घटना बड़ी अफसोसनाक हैं। इस भूचाल से पीडित लोगों की मदद के लिए मैं हरियाणा सरकार की आरे से 5 लाख रूपएदेने का एलान करताहूं इसके साथ ही साथ मैं कल बिहार के दरभंगा में और जहां पर उस एरिया में भूचाल आया हैं। वहां जा रहा हूं। इसलिए मैं हाउस से कल की गैर हाजिरी के लिए माफी चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः आनरेबल, मैम्बर्ज, पिछले लगभग पांच महीनों के बाद हम यहां पर इकट्ठे हुए हैं ंलीडर औफ दि हाउस ने यहां पर जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं, उसकी काफी लम्बी–चौड़ी लिस्ट हैं यह बड़ी बदकिस्मती की बात हैं कि जब भी हाउस बैठता हैं तो भाोक प्रस्ताव की लिस्ट ऐसी ही लम्बी चौड़ी होती हैं। इन महापुरूशों में से कई ऐसे महापुरूश हैं जिनके साथ मेरे जाती तौर पर बहुत ही बहरे संबंध रहे हैं। इन में से एक सरदार रघुबीर सिंह जी थे। जब हम कालेज में पढ़ा करते थे सरदार रघुवीर

सिंह उस वक्त जवानी में थे। जब कभी भी करनाल में कोई ऐजिटे ान चला, अपोजी ान ने कोई झण्डा बुलन्द किया, सरदार रघुबीर सिंह अगुवा हुआ करते थे। बड़ी–बड़ी कांफ्रैंसे में, बड़े–बड़े मोर्च लगाए। यदि मैं पंजाबी में कहू तो वे मैदान मर्द थे। जब वे एक बार मैदान में डट गए ता फिर उन्होनें कभी पीठ नहीं दिखाई। हमें करनाल और कुरूक्षेत्र के एरिये में आबाद करने में डिप्टी स्पीकर हुआ करते थे। उनेक दूसरे भाई जो वहां पर रहे हैं अब लोगों की बहुत सेवा करते हैं। लेकिन रघुबीर सिंह जी का कोई मुकाबला नहीं हैं। इसी तरह से जब पंजाब इक्ट्ठा था, मेहर चन्द आहुजा, एम0एल0सी0 थे। हम उन दिनों कलेज में थे। वे प्रताप सिंह के खिलाफ भी हुआ करते थे। वे प्रताप सिंह के साथ थे लेकिन जब वे खिलाफ भी बात करते थे उनका कहने का अपना ही एंग होता था। असैम्बली में तथा अपर हाउस में ऐसे आदमी बहुत ही कम आते है जो मेहर चन्द आहुजा जी के तुल्य हो। इस बात में कोई दो राय नहीं कि मेहर चन्द आहूजा हरियाणा के चोटी के फ्रीडम फाईटरों में से एक थे। पिछले दिनों जब मुख्य मंत्री जी को उनकी बीमारी के बारे मं पता चला तो उन्होंनें उनकी बड़ी सहायता की, बड़ी इमदाद की परन्तु वे परमात्मा को प्यारे थे और जल्दी चले गए।

मेरे साथ खु ादेव सिह कामरेड हरनाम सिंह जी के लड़के ने कुरूक्षेत्र में इक्ट्ठी वकालत की। उनके साथ मेरे बडै नजदीकी संबंध थे। आज उनके चले जाने से कामरेड जी को ही

नहीं सारी कुरूक्षेत्र बार और इस हाउस को गहरा धक्का लगा हैं। इन सब महानुभावों के चले जाने पर मैं अपने आप को हाउस की भावनाओं के साथ जोड़ता हूं।

मेरे लड़के के मुताल्लिक जो कहा गया उसके लिए मैं बड़ा म ाकूर हूं। जब मेरे लड़के की डैथ हुई तो कैबिनेट के सारे मंत्री, मुख्य मंत्री जी तथा सारे एम0 एल0ए0 साहेबान कुरूक्षेत्र पहुंचे और फिर क्रिया के समय भी वे पहुंचे। मैं अपनी तरफ से तथा अपने परिवार की तरफ से उन सब का बहुत म ाकूर हूं।

मै सभी दिंवगत महानुभवों को होमेज पे करता हूं और हाउस की डीप सिम्पथी को ब्रीव्ड फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से बिनती करूंगा कि इन महान आत्माओं की भाान्ति के लिए खड़े हो कर दो मिन्ट के लिए मौनव्रत रखें और उनाके याद करें।

(इस समय दिवंगत व्यक्तियों के सम्मान मं सदन के सछसयों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

बिहार के विधायकों के ि ाश्टमंडल का स्वागत

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, मुझे सदन को यह सूचना देते हूए बड़ा हर्श हो रहा हैं कि आपकी बायीं ओर वी0आई0पी0 गैलरी में बिहार के लोकदल नेता श्री लालू प्रसाद यादव और उनके साथ 15–16 और विधायक बैठे

हुए हैं। श्री लालू प्रसाद यादव बिहार में हमारी पार्टी के विधायक दल के नेता भी हैं। जब लोकनायक जयप्रका ा नारायण जी ने पटना से अपने आन्दोलन का विगुल बजाया था, उस समय श्री लालू प्रसाद यादव छात्र नेता होते थे। ऐमरजैन्सी के दौरान और उस आन्दोलन के दौरान जो उन्होनें काम किय वह बहुत लम्बी तफसील की बात है। सदन की तरफ से सभी महानुभवों का स्वागत।

तारांकित प्र न एव उत्तर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब सवाल होंगे।

Remittance of Loans Advanced by Nationalised Banks

***557. Shri Udai Bhan:** Will the Minsiter for Industries be pleased to state whether the loans given by the Haryana Hrijan Kalyan Nigam, Haryana Backward Classes Kalyan Nigam and Haryanan Weaker Section Welfare Corporation through the Nationalised banks are covered under the loan remittance scheme of the Government; if not, whether there is any proposal under consideration of the Government to remit the said loans?

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): हां, इसके अतिरिक्त सरकार ने उन समस्त कर्जो/मार्जन–मनी को भी मुआफ करने का निर्णय लिया ह।, जो कल्याण निगमों द्वारा नामतः हरिजन कल्याण निगम, पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, महिला व कमजोर वर्ग विकास निगम तथा अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग

कल्याण विभाग द्वारा अपने साधनों से दिये गये और जो 23–3–86 को बकाया थे।

श्री मंगल सैनः क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि जहां आपने इन निगमों से लिए हुए ऋण को माफ कर दिया हैं, वहां दूसरी ओर भाहरों में रहने वाले छोटे दुकानदारों, रेहड़ी वालों, और रिक ाा वालों ने जिन बैकों से लोन लिया हुआ हैं उसको भी माफ कर देंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हमने जो ऋण माफी की घोशणा पिछले दिनों की हैं उनमें काफी लोग छोटे दुकानदार, रेहड़ी वाले, रिक ाा वाले और दूसरे कमजोर वर्ग के लोग आ जाते हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, महिला व कमजोर वर्ग विकास निगम द्वारा जो कर्जे माफ किये गये हैं उनमें इस किस्म के लोग और भी भाामिल हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा उप–मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि हरिजन कल्याण निगम, पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, महिला व कमजोर वर्ग विकास निगम तथा अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा अलग अलग कितनी कितनी रकम माफ की गई हैं और अब कितना पैसा सरकार का बकाया रहता हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय,हरिजन कल्याण निगम पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम, महिला व कमजोर वर्ग विकास

निगम तथा अनुसूचित जाति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ये सभी मार्जन मनी देते हैं और सबसिडी भी देते हैं। ब्याज पर पैसा कमि ायल बैंक देते हैं और मार्जन मनी निगम देती हं हमने वह सारी मार्जन मनी माफ कर दी हैं। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, इकौनोमिकल वीकर सैक ान कार्पोरे ान कर्जा भी देती हैं। उनका जो पैसा बाकी या वह हमने माफ कर दिया हैं। इसी प्रकार हरियाणा का समाज कल्याण विभाग जो कर्जा देता हैं वह भी हमने वीकर सैक ान के लोगों का सब माफ कर दिया हैं।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय वित्त मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि समाज का मेहनतक ा तबका, वि ोशकर हरिजन और पिछड़े वर्ग के लोग आगे फिर से कर्जदार न बनें, इसके लिए सरकार कौन से उपाय कर रही हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कोई सुझाव देंगे तो हम उन पर पूरी तरह से गौर करेगे। सरकार तो हमे ाा ही सोचती रहती हैं कि उनकी भलाई के लिए क्या कुछ उपाय किये जाये।

(3.00बजे)

चौधरी कि ान सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह

जो तीन निगमों का कर्जा इन्होंनें बताया हैं, इससे कितने लोग प्रभावित होंगे यानी कितने लोगों को इससे फायदा होगा?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय, इन कल्याण निगमों क्ष्द्वारा अपने साधनों से दिये गये कर्जे की माफी से एक लाख 34 हजार लोग लाभान्वित होंगे।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मार्जन मनी का कितने लाख या कितने करोड़ रूपया बनता हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मार्जन मनी की अलग से फिगर तो मेरे पास इस वक्त नहीं हैं। लेकिन यह कुल मिलाकर 8 करोड़ 55 लाख रूपया बनता हैं जो हमने माफ किया हैं।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन निगमों द्वारा नै ानेलाइज्ड बैंकों का जो लोन माफ हुआ हैं, वह कितना और जो इन्होंनें अपने साधनों से माफ किया हैं, वह कितना हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जो फिगर सदन के सामने मैंने प्रस्तुत की हैं, वह आपने साधनों द्वारा कर्जा माफी की दी हैं। कमि र्यल बैंक्स ने कोई भी कर्जा माफ नही किया हैं।

Bhanu Industries, Hisar

***597. Shri Ranjit Singh:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) the total amount of sales-tax, if any, remaining unpaid by M/S Bhanu Industries Hisar upto the 30th June, 1988 togetherwith year-wise details thereof since its installation; and

(b) the steps if any, taken or proposed to be taken to recover the said amount of arrears?

अबकारी तथा कराधान मंत्री (राव नाम नारायण):

(क) मैं0 भानु इंडस्टीज प्रा0 लि0 हिसार की तरफ 30 जून, 1988 तक बिक्री कर कोई रा ि ा बकाया नहीं हैं जिसकी अदायगी की जानी हो।

(ख) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र न ही नहीं उत्पन्न होता।

श्री मंगल सैन: क्या मंत्री महोदय फरमायेंगे कि भानू इंडस्ट्रीज के जो पुर्जे सवारनें के लिये ले गये थे वे वापिस आ गये हैं? स्पीकर साहब, यह कह देंगे कि यह तो अलग बात हैं। मेरा कहने यह हैं कि कोई भी मंत्री इसका जवाब दे दे।

श्री अध्यक्ष: डाक्टर साहब, यह सवाल तो टैक्स के बारे में हैं। आप बैठिये।

Shri Mangal Sein: Sir, it is very important to know because it concerns with the son-in-law of the Union Agriculture Minister.

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, पुर्जो की तो कोई बात ही नहीं हैं।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, प्रोफैसर सम्पत सिंह ने पहले यह कहा था कि कुछ पुर्जे आसाम में ठीक करान के लिये गये हैं। मै तो यह जानना चाहता हूं कि वे लौट आयें या वहीं रह गये हैं?

Mr. Speaeker: Let us proceed further.Next quesion please.

Representation from Employees for Removal of Anomlies in their Pay-Scales

*568 Shri Hira Nand Arya: will the Deputy Chief Minister be pleased to state the mumber of representations in regard to the removal of anomalies resulting from the revison of pay scales receiced by the Government from the employees or Union of Employees of the State togetherwith the action, if any, taken or proposed to be taken to remove such anomalies?

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): बहुत से प्रतिवेदन प्राप्त हुए है जिन पर वेतन विसंगति आयोग, जोकि मूल चन्द जैन की अध्यक्षता में गठित किया गया हैं, द्वारा विचार किया जा रहा हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष्य महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि एक समिति जो सरकार ने पहले नियुक्त की थी, क्या उस ने इस विशय में कोई कार्यवाही की हैं तो मामला वहां तक पहुचा हैं? यह कमी ान कब तक रिपोर्ट दे देगा और जितनी रिप्रेजैटे ान्ज उनके पास आयी है।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, आप सवाल को जरा छोटा करे, लम्बा न करें। एक–एक करके सवाल पूछें।चार सवाल एकदम न पूछें।

श्री हीरा नन्द आर्यः बहुत अच्छा जी, मैं यह पूछना चाहता हूं कि इस कमी ान की रिपोर्ट कब तक आ जायेगी और इसमें कितनी रकम इन्वौल्वड होगी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः रकम का अन्दाजा तो स्पीकर साहब, कैसे लगाया जा सकता हैं? जब तक वह कमी ान या आयोग कोई फैसला न कर दे तब तक कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि कितनी रकम इन्वौल्वड होगी। लेकिन हम यह आ ाा रखते हैं कि दिसम्बर, 1988 तक यह आयोग अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा।

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जाननए चाहता हूं कि यह जो एनौमली कमेटी बनायी गयी हैं यह केवल गवर्नमैंट ऐम्पलाईज के लिये बनायी गयी हैं या इसमें बोर्ड और कारपोरे ान्ज के ऐम्पलाईज भी भाामिल किये जायेंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः यह केवल गवर्नमैंट ऐम्पालाईज के लिये बनाई गई हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, चलो, एक तो बात मंत्री जी ने स्पश्ट कर दी कि दिसम्बर, 1988 तक हय निर्णय ले लेंगे। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि कितने रिप्रेजैंटे ान्ज इनके पास आये हैं और उन पर कब तक विचार भाुरू होता हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मैंने मेन प्र न का उत्तर देते हुए बताया हैं कि बहुत सारे रिप्रेजैंटे ान्ज आये हैं। अगर उनका नम्बर ही जानना चाहते है ंतो 591 है।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास बोर्ड और कारपोरे ान्ज के ऐम्पलाईज के लिये कोई एनौमली कमेटी बनाने का प्रस्ताव विचारधीन है

श्री बनारसी दास गुप्ताः अभी विचारधीन नहीं हैं। जब गवर्नमैट ऐम्पलाईज का फैसला हो जायेगा, उसके बाद विचार किया जायेगा।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों के सहयोग से बनी यह सरकार उनके वेतनमानों में विसंगतियों को दूर करने की कोि ा ा कर रही हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा

करेंगे कि मंन्त्रियों और विधायकों के वेतनमानों में जो विंसगतियां हैं उनको दूर करने के लिए सरकार क्या कर रही हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जो हमारे नेता है उनसे इन विसंगतियों को दूर करने के लिये प्रार्थना की जा सकती हैं कि इनको भी मंत्रिमण्डल में भाामिल कर लिया जाए। (हंसी)

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो कर्मचारियों के वेतनमानों में जो असंगतियां हैं उनको दूर किया जा रहा हैं और दूसरी तरफ जो ऐडहौक कर्मचारी हैं उनको निकाला जा रहा हैं और एस0 एस0 एस0 बोर्ड द्वारा नए लागों का इन्टरव्यू लिया जा रहा हैं। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इसका क्या कारण हैं?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमैंटरी का मेन सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं हैं।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सवाल कर्मचारियों से ही सम्बन्धित हैं। मैं उन्हीं की बात कर रहा हूं। भाोर एवं व्यवधान

Mr. Speaker: Please have your seat. Your supplementary does not relate to the main question.

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, एम0 एल0 एज0 का एक डैपुटे ान मुख्य मंत्री जी से मिला था और मुख्य मंत्री जी ने

आ वासन दिया था कि अगर बरसात अच्छी हो जाएगी तो उस समय एम0 एल0 एज0 की तनख्वाह जरूर बढ़ा दी जाएगी। स्पीकर साहब, अब बरसात में तो कोई कसर हैं नहीं। क्या मंत्री महोदय बतांएगे कि एम0 एल0 एज0 की कब तक तनखाह बढ़ा दी जाएगी? हंसी

Mr. Speaker: Next Question.

Outstanding Electricity Bills

***572. Shri Vasu Dev Sharma:**

@Shri Hira Nand Arya

Will the Minister for Irrigation &Power be pleased to state-

(a) the details of category wise number of cases in which electricity bills involving more than RS. 20000 are pending payment as at present (upto 31-71988) togetherwith the period of non –payment therof; and

(b) the steps being taken by the Haryana State Electricity Board to realise the said arrears?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) एक विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत हैं।

(ख) कई पगं वसूली की प्रगति का समय पर जायजा लेना, बिजली सप्लाई काटना न्यायालय के बाहर आपसी समझौते

से मामलों का निपटाना तथा और अधिक भाक्तियों का प्रदान करना भाामिल हैं, उठाए जा रहे हैं।

(ग) दिनांक 31–7–1988 तक जिन उपभोक्ताओं पर 2000/–1/2 रूपये की धन राि ा या इससे अधिक की धन राि ा बकाया थी उनकी संख्या लगभग 2701 थी। ऐसे उपभोक्ताओं का श्रेणी एवं अवधि अनुसार ब्यौरा निम्न प्रकार थाः–

श्रेणी	एक वर्श तक		एक वर्श से दो वर्श तक		दो वर्श से अधिक		योग	
	संख्या	धनराि ा लाखों में	संख्या	धनराि ा लाखों में	संख्या	धनराि ा लाखो में	संख्या	धनराि ा लाखों में
घरेलू एंव व्याव सापिक	5	2.34	2	0.80	3	2.55	10	5.69

कृशि संबधी	3	1.73	3	0.91	26	9.34	32	11.98
औद्योगिक	99	58.79	76	84.97	641	1219.09	816	1362.85
सरकारी	34	19.30	212	115.54	1566	6438.96	1812	6573.58
अन्य	34	5.02	8	8.25	19	66.77	31	80.04
योग	145	87.18	301	210.47	22255	7736.71	2701	8034.36

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या बिजली मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इनमें कितने व्यक्ति, फर्म्ज और पार्टीज हैं जिनके अगेन्सट करोड़ो में रूपया बकाया हैं और क्या उनके नाम बताने की कृपा करेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, टेबल आफ दि हाउस पर जो लिस्ट रखी गई हैं उससे पता चलता हैं कि बिजली का लगभग 80 करोड़ 34 रूपये बकाया हैं। मतलब यह हैं कि डिफाल्अ में हैं और इस रकम में सब से बड़ी रकम गवर्नमैंट की तरफ बकाया हैं। 68 करोड़ 51 लाख रूपये हरियाणा सरकार की तरफ बकाया हैं।मैं डिटेल भी बता देता हूं। हरियाणा स्टेट माईनर इरिगे ान ट्यूबवैल कार्पोरे ान के अगैन्सट 5 करोड़ रूपये

बकाया हैं। म्यूनिसिपल कमेटीज और पंचायतों के जिम्मे 1 करोड़, 80 लाख 7 हजार रूपया बकाया हैं। इरिगे ान डिपार्टमैंट के अगेन्सट 58 करोड़ 21 लाख 8 हजार रूपया बकाया हैं। होस्पीटल्ज, सरकारी इंस्टीच्यू ांज और गवर्नमैंट डिपार्टमैंट्स तथा स्ट्रीट लाइट्स चाहे वे गांव में हैं या भाहर में हैं उनकी तरफ 1 करोड़ और गवर्नमैट डिपार्टमैंटस स्ट्रीट लाइट्स चाहे वे गांव में हैं या भाहर में हैं उनकी तरफ 1 करोड़ 41 लाख 91 हजार रूपया बकाया हैं। जहा तक इरिगे ान डिपार्टमैट का ताल्लूक हैं स्पीकर साहब, यह रकम पिछले कुछ सालों सें इकट्ठी होती चली आई हैं। मौजूदा सरकार आने के बाद ओर वि ोश तौर से इस साल से इरिगे ान डिपार्टमैंट ने एक करोड़ रूपया प्रति माह बिजली बोर्ड को देने का सिलसिला भुारू किया हैं।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, बिजली मंत्री ने जो विवरण के पटल पर रखा हैं उससे जाहिर हैं कि डोमैस्टिक और कोमर् ायिल कनैक ांज के जो बिल बकाया हैं उनके अगेन्सट बहुत कम रकम बकाया हैं। घरेलू और व्यापारिक बकाया बिलों के सामने औसतन 57 हजार रूपया बकाया हैं। ऐग्रीकल्चर के अन्दर 32 डिफाल्टर हैं और उन पर औसतन 37 हजार रूपये का बिल बकाया हैं लेकिन इंडस्ट्री में 816 डिफाल्टर हैं और उन पर औसतन 1 लाख 50 हजार रूपये में भी ज्यादा का बिल बकाया हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसा प्रतीत होता हैं कि उद्योगपतियों से बिजली के बिल की वसूली में ढील बरती जाती हैं क्या सरकार

कोई ऐसा वि ोश प्रबन्ध करने जा रही हैं कि जिससे उद्योगपतियों से कड़ाई के साथ बिजली के बिलों की वसूली की जा सके।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, रघु यादव साहब को इस बोर में पूरी जानकारी हैं कि सरकारी का इंडस्ट्रयलिस्टों के प्रति क्या रूख हैं लेकिन कहने का अपना ही अन्दाज हैं। जहां तक इंडस्ट्रयलिस्टों के फाल्ट्स का ताल्लुक हैं उनकी बड़ी मोटी रकमे होती हैं और वे बढ़िया से बढ़िया वकील करके कोटों से स्टे आर्डर ले आते हैं। एक बढ़िया वकील होने के नाते स्पीकर साहब आप अच्दी तरह से जानते हैं कि कोटों से स्टे मिल भी जाता हैं और सालों–साल ऐसे मुकदमों का फैसला भी नहीं होता हैं। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि चाहे कोई इंडस्ट्रयलिस्ट हैं, चाहे कोई ऐग्रीकलचरिस्ट हैं, कोई डोमैस्टिक हैं या कमर्ि ायल हैं, किसी के साथ बोर्ड की तरफ से कोई कमी नर्मी नही बरती जा रही हैं। इस सरकार ने तो बनते ही कई जगहों पर बोर्ड के बिजीलैन्स सैल द्वारा छापे मरवाए और रेडज भी करवाये गए ताकि बिजली को चोरी वगैरह को रोका जा सके और भी बहुत से स्टैप इस काम के लिये उठाये गये हैं जिसके कारण से रघु यादव जी की सरकार की आज वाहवाही हो रही हैं। जहां तक स्पीकर साहब, बिजली देने का सम्बन्ध हैं, इस बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं कि आज दुकानों, मकानों

किसानों ट्यूबवैलज और फैक्ट्रियां को बिजली 24 घण्टे सप्लाई हो रही हैं।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ग्रामीण स्तर पर, जहां बिल वगैरह देने की सुविधांए नहीं हैं वहां क्या सरकार उसके लिए कोई प्रबन्ध करने का विचार रखती हैं ताकि लोगों को इस कारण से कोई असुविधा न हो सके और इसके द्वारा ग्रामीण नौजवानों को रोजगार भी दिया जा सके।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, जिस प्रकार से हमारे रेवैन्यू डिपार्टमैंट में नम्बरदार हैं उसी प्रकार से हम गांव में एक एक नम्बरदार बिजली का नियुक्त करना चाहते हैं। इस तरह की प्रीपोजल बोर्ड के विचारधीन हैं। इसी तरह से जिस प्रकार से रेवैन्यू विभाग के नम्बरदारों को पचीतरा मिलता है उसी प्रकार से हम बिजली के नम्बरदारों को भी पचोतरा देना चाहते हैं। लेकिन अभी इस बारे मे आखरी फैसला नहीं हो पाया हैं कि उन नम्बरदारो का नाम क्या रखा जाए। हम चाहते हैं कि 20 वी सदी के अन्दर या 21वी सदी के अन्दर उनका एक सुन्प्दर सा नाम रखा जाए। साथ ही इस बात की भी ऐम्जामिन कर रहे हैं कि उनकी सिक्योरिटी ली जाए यान ली जाए। ये सभी बाते बोर्ड के विचारधीन है लेकिन हमारी कोि ा ा तो यही है कि इस सिस्टम को लागू किया जाए।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, हमारे बिजली मंत्री महोदय अपने विभाग की तारीफ स्वयं ही करने लग गये, यह उनको भाोभा नहीं देता। उनकी तारीफ तो हम ही करना चाहते हैं। इस सरकार ने सत्ता में आने के बाद बिजली के मामले में कमाल ही कर दिखाया हैं। हर क्षेत्र में, दुकानों पर, कारखानों पर इंडस्ट्रीज पर, फैक्ट्रीज पर सरकार को ओर से 24 घण्टे बिजली सप्लाई की जा रही हैं लेनि मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जहां उन्होने अपने सम्बन्धित विभागो, इरीगे ान एम0आई0टी0 सी0 वगैरह का जिक्र किया हैं वहां वे उन महानुभावों, उद्योगपतियों का भी जिक्र यहां पर करें जिनके पास काफी रा ि ा बकाया पड़ी हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः इस समय इनके अलग–अलग नाम मेरे पास नहीं है।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि बड़े व्यापारी स्टेवगैरह ले लेते हैं। हिसार के अन्दर जिन्दल वालों के खिलाफ 20 लाख रूपये की रिकवरी का बिल था। उन्होनें कोर्ट से स्टे ले लिया। स्टे ली को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन स्टे को वैकेट करवाने के लिये कोई कोि ा ा नहीं की गई। इन्होनें मंत्री बनने के बाद सारी स्टेट में रेड करवा दिए.....

श्री अध्यक्षः आप सजैस्ट न करें, सवाल करें।

श्री जगन नाथः मै सवाल पर ही आ रहा हूं। अब फिर उनके खिलाफ 15 लाख रूपए निकल रहे हैं। छोटे व्यापारियों से तो बिलों की रिकवरी हो गई लेकिन उनसे नहीं हुए। मै ंजानना चाहता हूं कि ऐसक बड़े व्यापारियों के साथ नर्मी क्यों बतरी जाती हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सरकार की ओर से या बोर्ड की आरे से किसी साथ कोई नर्मी नहीं हैं जैसा इस दे ा का कानून हैं, हर सिटिजन को यह हक हैं कि वह कचहरी का दरवाजा खटखटा सके। जहां तक माननीय सदस्य ने यह कहा कि स्टे वैकेट र करवाने के लिये कोई कोि ा ा नहीं होती, यह बिल्कुल गलत बात हैं। बिजली बोर्ड में एक लीगल सैल बना हआ हैं , वह ऐसे कामों में पूरी तरह से दिलचस्पी लेता हैं, केसिज को फालो करता हैं। मैं सदन में एक बात इ ाारतन कहना चाहता हूं. .....

श्री मंगल सैनः इ ाारतन क्यों साफ साफ कहें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः चलों मैं साफ–साफ कह देता हूं क्योंकि थोड़े दिनों से डा0 साहब खास खास में खसा यकीन करने लगे हैं। (हंसी) स्पीकर साहब, हम ऐग्जामिन करेंगे कि जिस तरह से रैंट ऐक्ट के जहत अगर कोई मुकद्दमा करता हैं तो पहले उस रैंट भरना पड़ता हैं उसी तरह से बिजली के बिल की पेमैन्ट के बारे में भी हो जाए। हम इंडियन इलैंक्ट्रिसिटी ऐक्ट में

इस प्रकार की तरमीम लाने जा रहे हैं। पता नहीं इस स्टेज पर यह पौसीबल होगा या नहीं। लेकिन हम यह प्रोवीजन करने की सोच रहे हैं कि अगर कोई कोर्ट मे जाना चाहे तो पहले वह बिल की पेमैन्ट जमा करवाए। उसके बाद मुकद्दमा चलता रहे। उसके बाद अगर फैसला उसके हक में होता हैं तो पैसा उसको वापिस कर देंगे वरना पैसा हमारे पास जमा हेगी ही। इस तरह की तरमीम करने की हम सोच रहे हैं।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो चौधरी देवी लाल जी की सरकार बिजली के बारे में सारे हिन्दुस्तान में रिकार्ड स्थापित कर चुकी हैं लेकिन मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जैसे भाहरों में फैक्ट्रियों के अन्दर लाइन मैंन रता को डियूटी देते हैं क्या उसी तरह से गांवो में भी इनकी रात को डियूटी लगाने का विचार हैं?

श्री अध्यक्षः यह तो एरियर्ज रिकवर करने की बात हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह बात ठीक हैं कि डालमिया सीमेंट फैक्ट्री, दादरी को भारत सरकार ने टेक ओवर कर लिया हैं और उसकी तरफ सवा सा या डेढ़ करोड़ रूपया बकाया हैं। क्या इसी तरह से और कम्पनियां भी अंडर लिक्विडे ान जाने वाली हैं जिनकी तरफ इस तरह का बकाया हैं। उनके खिलाफ क्या कार्यवाही कर रहे हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, 10, 20 या 50 लाख रूपए तो बहुत सी पार्टियों के अगेन्सट होंगे लेकिन रा ा का मुझे ध्यान नहीं हैं लेकिन फिर भी जैसे मैंने आर्य साहब को भाुरू में बताया हैं कि हमारे ला में जो क्लाज हैं, कानून में जो कमियां हैं, उनके मुताबिक लोग कोर्ट से स्टे वगैरह का सहारा ले लेते हैं। जहां तक इन्होनें दूसरी कम्पनीज के बारे में पूछा कि कौन कौन से लिक्विडे ान में जाने वाली हैं और कौन–कौन सी डूबने वाली हैं इस बारे में मैं इस समय कोई बात नहीं कह सकता। मैं यह बात यकीन के साथ कह सकता हूं कि बिजली बोर्ड की तरफ से किसी किस्म को कोई कमी नही छोड़ी जाती हैं जिसमें वह बिलों की वसूली न करे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि आज कल मैं साफ साफ कहता हूं। साफ साफ तो मैं पहले भी कहा करता था लेकिन अब आपको अच्छा लगने जा रहा हैं चलो अच्छी बात हैं। यह मौसम की बात हैं। (हंसी) स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा जाना चाहूंगा कि.....

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, बूटा सिंह जी और नर सिंह ढांढा जी को अभी–अभी भाादी हुई हैं। क्या डाक्अरा साहब भी उस और बढ़ रहे हैं? (हंसी)

श्री मंगल सैनः उनकी भाादी का कोई खतरा नहीं हैं, भाादी के बाद खतरा हो सकता हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा

मंत्री जी से जाननना चाहता हूं कि क्या उनके नोटिस में यह बात हैं कि जो बड़े–बड़े पूंजीपति हैं वे अदालत से स्टे आर्डर ले आते हैं और बाद में अफसरों से ऐप्रोच कर लेते हैं। अभी–अभी मंत्री जी ने यह फरमाया हैं कि कानून ही ऐसा हैं उसको अमैड करना पड़ेगा। क्या मंत्री जी के नोटिस मै यह बात हैं कि बड़े–बड़े पूजीपति अदालतों से स्टे लेकर अफसरों से एप्रोच करते है और बिलों की अदायगी नहीं करते? क्या उनके नोटिस में यह बात आई हैं? अगर आई हैं तो उन्होंनें क्या ऐक ान लिया हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ऐसी बात मेरे नोटिस में नही आई हैं। अगर डाक्अर साहब के नेाटिस में कोई ऐसी बात हं तो वे मुझे बताएं सख्त एक ान लिया जाएगा।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि बड़े किए गए थे और छापे पड़े थे। जिन दिनों में रेड किए गए थे उस सयम अखबारों में भानू इंडस्ट्री के बारे में बड़ा चर्चा आया था उौर उसका बिजली का कनैक ान काट दिया गया था? बाद मूं उसने कोर्ट से स्टे आर्डर ले लिया था। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस समय भानू इंडस्ट्री से बिजली के बिलों की रिकवरी पैनल्टी के साथ हो चुकी थी या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमने उनका बिजली का कनैक ान फौरी तौर पर डिस्कनैक्ट कर दिया था। कोर्ट दे

दोबारा कनैक ान दिलाने के लिए स्टे दिया था। वह मुकद्दमा अभी भी कोर्ट में पैंडिंग हैं।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान फिर उसी टेबल पर दिलाना चाहूंगा कि पिछले एक साल में कृशि उद्योग और डोमैस्टिक सभी क्षेत्रो में विद्युत आपूर्ति बहुत अच्छी हुई हैं जिसकी एक अच्छी मिसाल कायम हुई हैं। लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि पिछले एक साल से औद्योगिक इकाइयों की संख्या ही नहीं बढ़ी हैं बल्कि उपभोक्ताओं की बकाया रा ि ा भी काफी बढ़ी हैं। औद्योगिक क्षेत्र में 99 उद्योगपति बकाया रा ि ा की लिस्ट में आए हैं जबकि कृशि के क्षेत्र में केवल मात्र 3 आदमी बकाया रा ि ा की लिस्ट में आए हैं और डोमैंस्टिक क्षेत्र में पांच आदमी बकाया रा ि ा की लिस्ट में आए हैं।

श्री अध्यक्षः यादव साहब, आप क्वै चन पूछें।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं क्वै चन ही पूछ रहा हूं। इससे साफ जाहिर हैं कि किसानों और डोमैस्टिक कनैक ान वालों से बिजली के बिलों की वसूली के बारे में सख्ती करती जाती हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय जी से यह जानना चाहता हूं कि बिजली के बिलों की अदायगी न करने पर किसानों के और डोमैस्टिक वालों के बिजल के कनैक ान जल्दी ही क्यों काट दिये जाते हैं और उद्योगपतियों के बिजली के कनैक ान काटने में इतनी ढील और देरी क्यों की जाती हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य की जो ऐप्रोच है वह कुछ इम्पा र्ल नहीं हैं पा र्ल हैं। यह ठीक हैं कि माननीय सदस्य किसान परिवार से संबंध रखते हैं और मै भी किसान परिवार से हूं लेकिन इस बारे में जो भी पोजी ान हैं उसको इस प्रकार से तोड़ मरोड़ कर सदन के सामने पे ा न करें जिससे सुनने वालो ंपर इसका कोई प्रभाव पड़े। स्पीकर साहब, इस वसूली के बारे में तीन कालम बन गए हैं। पहले कालम में एक साल तक वाले डिफाल्टर्ज और उन का एरियर द र्ाया गये हैं। इसमें एक दिन से लेकर 365 दिन तक वाले डिफाल्टर्ज द र्ाये गये हैं। दूसरे कालम में 365 दिन से लेकर दो साल तक वाले डिफाल्टर हैं उन्हें तीसरे कालम में द र्ाया गया है। दो साल तक के जिन औद्योगिक डिफाल्टर्ज के एरियर्ज बकाया हैं उनपकी गर्ज 99 दी हैं और एक साल के जिनके एरियर्ज बकाया हैं उनकी फिगर्ज 76 हैं। दो साल के ऊपर के जो डिफाल्टर्ज हैं उनकी संख्या 641 हैं। इस प्रकार से टोटल नम्बर 816 बनता है। इस सरकार को बने हुए केवल 14 महीनों में फिगर्ज कोई ज्यादा नहीं बढी हैं। यदि दो साल तक के डिफाल्टर्ज को मिला ले ं तो 99 और 76 का टोटल 175 बनता हैं। इस बात से साफ जाहिर हैं कि इस सरकार ने कितना ि ांकजा खीचा हैं। अगर ये फिगर्ज ज्यादा हैं तो मैं स्पश्ट तौर पर कहूंगा कि जो आदमी कोर्ट मे जाएगा, कोर्ट से स्टे हासिल करेगा, कानूनी प्रोटैक ान लेगा, उसके बारे में इस सरकार को कतई मन् ाा नही हैं कि अदालत

के हुक्म की अदूली करे। हमारी सरकार ला आफ दि लैन्ड का अनादर नहीं करना चाहती।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने डिटैल में बताया हैं कि पब्लिक सैक्टर की तरफ 5.—6 करोड़ रूपये एरियर्ज के बकाया पड़े हैं। क्या मंत्री जी बताने का कश्ट करेंगे कि प्राइवेट सैक्टर्ज की तरफ कितने रूपये किन किन के खिलाफ एरियर्ज के पड़े हैं? जैसे डालमिया के खिलाफ भाायद एक करोड़ रूपया एरियर्ज का बकाया हैं। क्या मंत्री जी इनके बारे मे बताने का कश्ट करेंगे?

श्री बीरेन्द्र सिंहः इण्डस्ट्रयलिस्ट के नाम मेरे पास इस समय मौजूदा नहीं हैं। दूसरे एक बात मैं और कहूंग कि जो ऐग्रीकल्चर की तीन की फिगर दी हैं यह वह हैं जो 20 हजार से ज्यादा एरियर हैं। यदि 20 हजार से कम के डिफाल्टर्ज लें तो यह फिगर्ज बहुत ज्यादा हो सकती हैं। वैसे ऐग्रीकल्चरिस्ट का 20 हजार रूपये का बिल बहुत ही कम आता हैं। 20 हजार से नीचे की फिगर्ज तो बहुत हो सकती हैं।

श्री सतबीर कादयानः मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इण्डस्ट्रयलिस्टस से बिल उगाही करने के लिए क्या कोई नम्बरदार वगैरा नियुक्त किए जाएंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः यह मामला बोर्ड के जेरे गौर हैं कि इस प्रकार का काई नम्बरदारी सिस्टम चालू किया जाये।

तारांकित प्र न संख्या 564

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य, श्री कैला ा चन्द्र भार्मा, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Grant of Pension on Revise Pay Scales

***586. Shri Shiv Lal**: Will the Deputy Chief Minster be pleased to state-

(a) whether4 any Committee has been constituted to consider the question of revision of pension of those Haryana Government pensioners, as have retired from service, on or after the revision of pay scales with effct from 1-1-1986; if so, the names of the members of the said Committee;

(b) the time by which the said Committee is likely to submit its Report and the dcision to be taken there on;

(c) whether there is nay proposal under consideration of the Government to grant the benefit of refision of pension of those employees who retired before the revision of pay scales (1-1-1986); if so, the dtails there of togetherwith the time by shich a decsion in the matter is likely to be taken.

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता):

(क) जी, नहीं।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं।

***587. Shri Mani Ram:** Will the Ministerfor Industries be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a fruit processing plant at DAbwali; if so, the time by which the said proposal is likely to be materialised; and

(b) whether therw is also a proposal under consdieration of the Government to set up an Industrial Estate at Dabwali in Sirsa District?

उद्योग मंत्री (डा0 किरपा राम पुलिया)

(क) जी, नहीं।

(ख) जी, हां।

श्री मनीरामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे प्र न का जवाब ना मै दिया है। मै इन्हें बताना चाहूंगा कि वहां पर बहुत ज्यादा कौटन होती हैं। इसलिए मैं चाहता हूं कि लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए कोई फ्रूट प्रोसैसिंग प्लांट लगाने के लिए दुबारा विचार करेंगे?

डा0 किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, इसके बारें में हरियाणा ऐग्रो एण्डस्ट्रीज कार्पोरे ान ने 2..—3 बार विचार किया हैं। मेरे पास सूचना हैं कि कब कब कहां पर ऐसा प्लांट लगाने का विचार किया गया। वहां पर पहले 1985 में इस बारे में विचार

किया गया था और बड़ी गहराई से स्टडी करने के बाद इसी नीतजे पर पहुंच पाये थे कि वहां पर ऐसा कोई भी यूनिट लगाना बायबल नहीं होगा। इसके बाद मई, 1986 में फिर जांच की और इसी निश्कर्श पर पहुंचें कि वहां पर कोई यूनिट वायब नहीं हैं। दूसरे इन्हें दुबारा विचार करने के लिए कहा हैं इस बारे में इन्हें बताना चाहूंगा कि इस वक्त ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के जेरेगौर नहीं हैं।

श्री रणजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी बताया हैं कि वहां पर फ्रूट प्रोसैसिंग प्लांट यूनिट लगाने की वायब्लिटी नहीं हैं। पंजाब के इलाके में अबोहर फाजिल्का के हल्के में ऐसा यूनिट सफलतापूर्वक कार्य कर रहा हैं। आज अखबारों में इस बात की चर्चा हैं कि पंजाब सरकार ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैट से हार्टिकल्चर डिपार्टमैंट को अलग करने के बारें विचार कर रही हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि उन्होनें फ्रूट प्रोसैंसिग यूनिट लगवाने के लिये वहां पर सर्वे करवाया हैं या बिना सर्वे करवाये ही इस प्रपोजल को रिजैक्ट कर दिया हैं?

डा0 किरपा राम पुनियाः इस बारे में बाकायदा सर्वे करके स्टडी की गई हैं और स्टडी करने के बाद ही इसे रिजैक्ट किया गया हैं।

चौधरी कि ान सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा में किसी जगह पर इस प्रकार का कोई यूनिट लगाने बारे में विचार किया जा रहा हैं या नही?

डा0 किरपा राम पुनियाः गोहाना में कौन–कौन से फ्रूट होते हैं, इस की स्टडी करके देख लेंगे। हंसी

ताराकिंत प्र न संख्या 575

यह प्र ान पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री प्रदीप कुमार चौधरी , इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Construction of Dhundhrehri and Sajuma Minors

*581 Shri Surinder Kumar Madan: Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state-

(a) whether the construction of Dhundhrehri and Sajuma minors has been sanctionced; if so, the dates thereof;

(b) whether it is a fact that the construction of the said minors has not yet been started ; and

(c) if the reply to part (b) above, is in the affirmative, the reasons therefor together with the time by which the construction of the said minors is likely to be started?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh):

(a) Yes.

The schemes for Dhundhrehri and Sajuma Minors were sanctiooned on 9-4-87 and 26-3-87 respectively.

(b) Yes.

(c) The work has not bbeen started on account of constraint of funds.Its is not possible to give the date by which the work will be started as it will depend on the availability of funds.

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि कांग्रेस सरकार के समय में ये जो दो माईनर्ज मन्जूर की गई थी, इन माईनरों पर कार्य भाुरू हुआ हैं या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिहंः अध्यक्ष महोदय, श्री भाम ोर सिंह जी उस समय के सिचाई तथा बिजली मंत्री जितनी माईनर्ज इलैक ान्ज से पहले मंजूर कर गए थे, ये दोनों को मन्जूर की गई और दूसरी अप्रैल के महीने में मंजूर की गई। क्योंकि चुनाव जून में होने थे और उन चुनावों को मद्देनजर रखते हुए लोगों से वोट हासिल करने की मन्जूरी के बावजूद भी इनके लोग तो चुन कर नहीं आ सके। इस सवाल के मिलने के बाद मैंने वि ोश तौर पर इस का डैटा निकलवा कर देखा ताकि इन स्कीमों की जरूरत अथवा अहमियत के बारे में पता चल सके। डैटा की स्टडी करने की जरूरत अथवा अहमियत के बारे में पता चल सके। डैटा की स्टडी करने से मुझे पता चला कि इन माईनरों की अहमियत और

जरूरत इतनी ज्यादार नहीं थी। इस स्कीम के जरिए महज इलैक ान जीतने के लिए लोगों से वायदे किए गए थे, वोट बटोरने के लिए ये सकीमें मन्जूर की गई थी। धुन्ध रेहड़ी का रकवा 5500 एकड़ हैं। मौजूदा सोर्सिज से जो साधन इस समय उपलब्ध हैं, उनके जरिए इस समय 1550 एकड़ का हैं। जो कि 62 प्रति ात या इससे अधिक इरीगेट किया जा रहा हैं। 3950 एकड़ भूमि ऐसी हैं जिसकी 62 प्रति ात से कुछ कम सिंचाई हो रही हैं। इसी प्रकार से सजूमा माईनर के तहत 2350 एकड़ एरिया पड़ता हैं। इस मसय मौजूदा साधनों से 1100 एकड़ का रकबा ऐसा हैं जो 62 प्रति ात या इससे अधिक इरीगेट होता हैं। केवल 700 जमीन ऐसी हैं जिसकी इरीगे ान 30 प्रति ात से कम हैं अध्यक्ष महोदय, इससे साफ जाहिर हैं कि ये स्कीमें इतनी प्रायरटिी को नही थी। जिस जल्दबाजी में इन माईनरों को मन्जूर किया गया हैं इसी प्रकार की और भी कई मन्जूर ाुदा स्कीमें हैं। यदि इस बारे में पूरी जानकारी चाहिए तो इसके लिए अलग से नोटिस दिया जाना चाहएि ताकि मैम्बर साहेबान की सैटिस्फैक ान हो सके।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदययय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि जो इन्होंनें इस वक्त रकबा बताया हैं और जो उस वक्त पैप्फलेट छपे थे उनमें काफी डिफरेंस हैं। क्या मंत्री महोदय इस बात की इन्क्वायरी

कराऐंगे कि जो उस वक्त जानकारी दी गई थी वह गलत थी या यह गलत हैं?

श्री वीरेन्द्र सिहः उनकी इन्क्वायरी तो जनता ने जून, 1987 में कर दी थी। एक आदमी हमारी गलती से उनका आ गया था जो आज हमारी तरफ मंत्री बने बैठे हैं। बाकी की तो उसी वक्त ही जनता ने इन्क्वायरी कर दी थी हसी

श्री बलबीर सिंह चौधरी: स्पीकर महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि काफी समय पहले जो जाडली कलां, जांडली खुर्द, मोची और चवारा गांवों के लिए भूना टेल माइनर को मन्जूर किया गया था, उसका काम क्यों बन्द कर दिया? ये चारों गांव लोकदल के गढ़ हैं और चौधरी भजन लाल बन्द कराया था। इस माइनर पर पार्टली काम भाुरू हो चुका था लेकिन अब काफी समय से बन्द पड़ा हुआ हैं। इसलिए उस पर कब काम चालू करवाऐंगे?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमैंटरी का जवाब देना मुमकिन नहीं हैं। आप बैठिए।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय इनके बनवाने के बारे में आ वासन देंगे कि कब तक बनवा देंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जरूर बनवाऐंगे। प्रायरिटी फिक्स करेंगे।

Compeltion of S.Y.L. Canal

*615 Shri Mangal Sein: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the portion of SY.L. Canal in Punjab Territory completed upto 31-7-88; and

(b) the total amount of grant, iof anuy, received from the Central Govrnment upto 31-7-88 for the construction of said Project?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh)

(a) The progress in constructionof the S.Y.L canal(Punjab portion) upto 31-7-88 is as follows:-

Sr. No		
i	Land acquision	100%
ii	Earthworks	95%
iii	Linign	88%
iv	Bridges	31 completed out of 76
v	Cross-drainage works	
	Major	2 completed out of 11
	Medium	17 completed out of

		41

(b) Rs. 310.45 crores.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, संसदीय कार्य मंत्री महोदय ने बताया हैं कि भूमि अधिग्रहण सौ प्रति ात मिट्टी का कार्य 95 प्रति ात लाईनिंग 88 प्रति ात, पुल 76 में 31 पूरे हुए हैं, जल निकास कार्य बड़े 11 में से दो ही पूर्ण हुए हैं और जल निकास कार्य माध्यम 41 में से केबल 17 पूर्ण हुए हैं। मैं आपके द्वारा यह जानना चाहता हूं कि ये आंकड़े हरियाणा सरकार के द्वारा दिए हुए हैं या पंजाब सरकार द्वारा दिए हुए हैं? इन्होंनें इन आंकड़ो के बारे में तसल्ली भी कर ली हैं, या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये आंकड़े हरियाणा इरीगे ान डिपार्टमैंट की तरफ से प्रस्तुत किए गए हैं और मौके पर वैरीफायी करके प्रस्तुत किए गए हैं। माननीय सदस्य को मैं यह बताना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार बनने के प चात् कितना काम हुआ हैं। 20–6–1987 को जब मौजूदा सरकार ने कार्य भार संभाला, तब अर्थ वर्क 83 परसैन्ट हुआ था। उसको बढ़ा कर 95 परसैंट लाइनिंग हो चुकी थी। 20–6–1987 को ब्रिजिज की पोजी ान यह थी कि कुल 76 में से केवल एक ब्रिज बना था। इस 14 महीने के अर्से में मौजूदा गवर्नमैंट की लग्न से 76 में से 31 ब्रिजिज बन चुके हैं। दो रेलवे ब्रिजिज पर काम चल रहा हें। ये ब्रिज, जिन पर काम चल रहा हैं, नवम्बर, 1988 तक कम्पलीट

हो जाऐंगे। 29 विलेज रोड ब्रिज हैं जो दिसम्बर 1988 तक कम्पलीट होने की संभावना हैं। इसी प्रकार से मार्च, 1989 तक 14ने ानल हाई–स्टेट हाई–वे ब्रिजिज कम्पलीट होने की संभावना हैं। यह उपलब्धि इस सरकार की 14 महीने की हैं। पहले तो काम की जो रफ्तार थी, वह वाकई उत्साहजनक नहीं थी। बड़ी स्लो थी। लेकिन आपकी इस सरकार के आने के प चात काफी तसल्लीबख्भा काम हुआ है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हमारे लायक मंत्री महोदय ने यह कहा कि पहले उत्साह नहीं था लेकिन अब कुछ हौसले वाली बात हो रही हैं। भाायद क्रोमीन लग गयी हैं। बड़ी खु ाी की बात हैं। मैं आपके द्वारा उनसे यह जानना चाहता हूं कि इतना काम होने के बाद भी एम0 वाई0 एल0 नहर में पानी कब चलना भाुरू होगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक मौजूदा सरकार की ऐफर्टस का ताल्लुक हैं, मैंने पिछले सत्र में भी सदन में बताया था कि जब हमारी यह सरकार बनी ता उसके बाद मुख्य मंत्री जी ने बड़ती जबरदस्त दिलचस्पी एस0 वाई0 एल0 वाटर रिसोर्सिज के मंत्री से भी मिले हैं। चिट्ठियों का आदान–प्रदान भी हुआ हैं। हमने उनको यहां तक भी कहा हैं कि प्रधान मंत्री जी, चुनाव मे आपने पब्लिक कमिटमैंट की थी। महेन्द्र प्रताप सिंह जी के जिले में पलवल मे जाकर यह कमिटमैंट की थीं। कि इस प्रोजैक्ट को सेंटर अपने हाथ में लेगी और बड़ी गति के साथ

इसको पूरा किया जाएगा। इस बारे में कई बार तारीखें भी फिक्स हुई हैं। लेकिन इनके नेता मुकर गए। हमने इस बारे में सुझाव भी दिया कि बाहर से एजेन्सी लाने की जरूरत नहीं हैं। आपकी अपनी एजेन्सी वहां पर मौजूद हैं। बी0बी0एम0बी0 का जो कंस्ट्रक ान विग बी0सी0वी0 हैं, वह वहां पर मौजूदा हैं। आप बराये मेहरबानी इसकी कंस्ट्रक ान इसके जिम्मे लगा दे। लेकिन बड़े खेद के साथ यह कहना पड़ रहा हैं कि इस प्रकार की बात प्रधान मंत्री जैसे ऊंचे पद के व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए। वे कई प्रकार की बहानेबाजी करते हैं। उनको कोई ज्ञान ही नहीं हैं। पिछले दिनों पार्लियामैंट में एक सवाल आया। एस0वाई0 एल0 और नंगल हाईडल चैनल के बीच में एक लिं चैनल बननी हं, उसकी मु कल से लैथ एक किलोमीटर की हैं। उस पर थोड़ा सा डिसप्यूट बिटवीन हरियाणा और पंज5ाब गवर्नमैंट हैं उसका एस0 वाई0 एल0 से कोई ताल्लुक नहीं हैं। प्रधान मंत्री जी ने सदन में खड़े होकर एक बयान दे मारा । सवाल तो हैं लिंक चैनल का और जवाब दे दिया एस0वाई0एल0 कैनाल का। यह तो उनकी आदम में ाफमार हैं। यदि स्वतन्त्रता दिवस होता हैं तो वह गणतन्त्रता दिवस कहते हैं। इस बारे में जो उनके लैपसिज हैं, उनका बार–बार क्या जिक्र करें। फिर भी अध्यक्ष महोदय, मैं डा0 साहब को और सारे सदन को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जहां तक मौजूदा सरकार का ताल्लुक हैं हमने इस इ ू पर बड़ा भारी संघर्श किया हैं। और हम सब ने मिलकर बहत बड़ी कोि ा ा की हैं। तब तक सरकार का मि ान पूरा नही होगा जब तक कि

कैनाल को पूरा नहीं करवा लेंगे और उसमें पूरा पानी नही ंले लंगे तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह की पुरानी आदत हैं कि जहां दोश देने की बात हो वहां कांग्रेस और राजीव जी को दोश देने लगते हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछिए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंनें एस0 वाई0एल0 का जिक्र किया। (भाोर एवं व्यवधान) 403 करोड़ रूपया के लिए इन्होनें कोई धन्यवाद नहीं किया। स्पीकर साहब, इन्होंनें एस0 वाई0 एल0 के लिए 310 करोड़ रूपया मांगा था और सारा पैसा सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने दिया हें। इनको कम से कम धन्यवाद तो कर देना चाहिए था। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सवाल करिए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होंनें कहा हैं कि एक साल के अर्से में प्रोग्रैस हुई हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि एक साल के अर्से में एस0 वाई0 एल0 की जो प्रोग्रैस बढ़ी हैं, उस एस0 वाई0 एल0 पर काम पंजाब सरकार कर रही है या हरियाणा सरकार कर रही हैं? इसका क्रैडिट पंजाब सरकार जहां अब प्रैजिडैन्ट रूल हैं, उस सरकार को जाता हैं या पहली सरकार को जाता हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह हरियाणा सरकार के प्रयासों का नतीजा हैं। हरियाणा के गांवों में किसी काम को कराने के लिए कहा जाता हैं कि लट्ठ लेकर लगे हुए हैं। स्पीकर साहब, हम तो इस काम के पीछे लट्ठ लेकर लगे हुए हैं और हमारे प्रयासों का नतीजा हैं कि इतनी प्रोग्रैस हुई हैं। जहां तक 403 करोड़ की ये बात करते हैं, स्पीकर साहब, जितनी बेदर्दी के साथ पब्लिकमनी को आपने बर्बाद किया हैं मेरे ख्याल में ओर कोई नहीं कर सकता। स्पीकर साहब, 1976 में जब यह प्रोजैक्ट बना उसके हिसाब से इसको केवल 145 करोड़ में बन कर तैयार हो जाना चाहिए था लेकिन आज इसकी कीमत 456 करोड़ पहुंच चुकी हैं। भगवान जाने कितने दिन और लगेंगे और यह कीमत कहां पहुंचेगी। स्पीक साहब, यह सब इसलिए हो रहा हैं कि हरियाणा को पानी आना हैं और हरियाणा में चूंकि चौधरी देवी लाल की हकूमत हैं इसलिए चाहे टैक्स पेयर का तिना ही पैया बरबाद हो जाए और कितनी ही देर लग जाए इसका केन्द्रीय सरकार को काई फ्रिक नहीं हैं।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी आदरणीय सिंचाई तथा बिजली मंत्री ने अच्छी जानकारी दी कि सत्ता में आने के बाद उन्होंनें बहुत प्रयास किए और आप लट्ठ लेकर इस काम के पीछे लगे हुए हैं। भगवान करे कि आप बल्लम लेकर इस काम के पीछे पड़े जिससे कि यह काम जल्दी हो जाए। स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया हैं कि वे और मुख्य मंत्री जी कई बार प्रधन

मंत्री से और वाटर रिसोसिंज मंत्री से मिल चुके हैं। क्या मंत्री महोदय, सदन को एनलाइटन करेंगे कि वे कितनी बार इन लोगों से मिले और क्या बातें हुई? महेन्द्र प्रताप को तो अफसोस हैं कि वायदा करके कांग्रेस वाले मुर गए इसीलिए तो कभी ये सोचते हैं कि चौधरी तैयब हुसैन के साथ चले जाते तो ठीक रहता।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप सवाल पूछिए।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से केवल यह जानना चाहता हूं कि आपकी क्या ओनैस्ट अटैम्पट्स रहीं और उनकी क्या कमिटमैंट्स रहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मुख्य मंत्री महोदय ने प्रधान मंत्री महोदय से पहली मुलाकात 8–9–1987 को की। उसके प चात 24–12–1987 को और फिर 26–3–1988 को वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर को एक मैमोरेन्डम दिया। मिनिस्टर फार होम अफेयर्ज को 31–3–1988 को एक पत्र लिखा और जो भी मींटिग प्रधान मंत्री प्रिजाइ करते रहे अउस मीटिंग में हर बार हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने एस0वाई0एल0 का सवाल उठाया। बारह चौदह महीनों के अन्दर कोई लगभग 10–12 कोि ा ा हो चुकी हैं और इस प्रोजैक्ट को ऐक्सैलरेट करने के बहुत सारे प्रयास हो चुके हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि प्रधान मंत्री महोदय और केन्द्रीय मन्त्रियों को काफी

पत्र लिखे जा चुके हैं। क्या उन पत्रों के कोई उत्तर आए हैं? अगर आए हैं तो वे क्या हैं? क्या केन्द्र सरकार ने एस0वाई0एल0 को पूरा करने का कोई वायदा किया हैं या कोई इसके लिए तारीख नि ित की हैं? क्या पंजाब से भी कोई लेटैस्ट बातचीत हुई हैं? अगर हुई हैं तो वह क्या हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह सदन में यह बताना चाहता हूं कि बड़े अफसोस की बात हैं कि प्रधान मंत्री ने अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कोई लिखित उत्तर नहीं दिया हैं और जो पत्र केन्द्र की ओर से हमें लिखा गया हैं उसका उत्तर गृह मंत्री के जरिए दिलवाया गया हैं। यह बड़ी आपत्तिजनक बात हैं और बड़े अफसोस की बात हैं। यह प्रोजैक्ट अब हरियाणा प्रदे ा या पंजाब प्रदे ा का प्रोजैक्ट नहीं रहा है। अब यह ने ानल प्रोजैक्ट का रूप धरण कर गया हैं। क्योंकि इस प्रोजैक्ट को केन्द्र फाइनैन्स करता हैं। इस पर सारा खर्चा केन्द्र सरकार को ही करना हैं। इस नहर के न बनने से आज हरियाणा को लगभग पंजाब संबंधित हैं। हरियाणा और पजंजबा ही सारे दे ा के लिए गेहूं जुटाते हैं। वहां इस तरह की नहर न बने ओर जो ने ानल प्रोजैक्ट हो और उसके लिए मूख्य मंत्री महोदय बाकायदा केन्द्र से सम्पर्क बनाए रखें और पत्र व्यवहार करते रहें लेकिन प्रधानमंत्री उन पत्रों का जवाब देना भी उचित न समझे तो यह कितने भार्म की बात हैं। जो पत्रों का उत्तर केन्द्र की और से आया वह बड़ा ही अजीब सा हैं। हमने कुछ लिखा हैं और उन्होंनें

उसका कुछ जवाब दिया हैं और एक ऐसी बात लिख दी कि हमारा एस0वाई0एल0 से कोई ताल्लुक नहीं हैं क्योंकि हमने अकौर्ड को नही माना था। इससे अकौर्ड का तो कोई संबंध ही नहीं हैं। हम तो बार–बार यह रिक्वैस्ट कर रहे हैं कि एस0 वई0एल0 नहर को जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए। सैन्टर इसको टेक ओवर करे और इसका सारा खर्चा स्वंय वहन करे। अर्कोड पर हमने कोई टिप्पणी नहीं की थी।हमने उसकी धारा 7 और 9 को नहीं माना था और दो साल पहले ही 24 जुलाई, 1985 को इस को हमने रिजैक्ट कर दिया था। हमने कहा कि इस अकौर्ड की धरा 7 और 9 को हम नहीं मानते और दो साल पहले ही 24 जुलाई, 1985 को इस को हम नहीं मानते। उसके बाद प्रधान मंत्री ने इलैक ान के नजदीक पलवल में आकर घोशणा की कि इस प्राजैक्ट को केन्द्र अपने हाथ मे ले रही हैं और इस नहर के काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा और इसका सारा खर्चा केन्द्र सरकार उठाएगी। लेकिन आज केन्द्र यह कह रही है कि आपने अकौर्ड नहीं माना। यह सारा काम आपका हैं। अध्यक्ष महोदय, हम तो अकौर्ड को दो साल पहले ही से रिजैक्ट कर चुके हैं।

श्री अध्यक्षः क्वै चर समाप्त हुआ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Construction of Reservoirs on River Ghaggar

***574 Shri Durga Dutt Atri:** Will the Minster for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether therw is any proposal under consideration of the Government to construct reservoirs on the Ghaggar river for controlling/storing the rainy water for irrrigfation purposes; and

(b) is so, the time by which the aforesaid proposla is likely to materialise?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) नहीं।

(ख) प्र न ही पैदा नहीं होता।

Supply of Power and Installation of Theraml Power Station Near Rewari/Dharuhera

***593. Shri Raghu Yadav:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the steps, ifa nayu, taken or proposed to be taken by the Governbment for the improvement of the supply of electricity to Agriculture and Industrial Sector in the area of Destrict Mohindergarh; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Thermal Plant near Rewari/ Dharuhera?

सिंचाई सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) हां, पिछले एक वर्श में महेन्द्रगढ़ जिला के लिए बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ हैं। जून, 1986 से मई, 1987 तक इस जिला द्वारा कुल 2275 लाख यूनिट बिजली का उपभोग किया गया। जून 1987 से मई, 1988 तक तदनुसार आंकड़े 3054 लाख यूनिट थे।

आगे और सुधार लोन के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे है:–

(1) नए ग्रिड सब–स्टे ानों का निर्माण करना तथा वर्तमान सब–स्टे ान की क्षमताओं में वृद्धि करना।

(2) स्थानीय वितरण प्रणाली के लिए, प्रणाली सुधार योजनाओं को कार्यान्वित करना।

(3) कैपेसिटर बैंको की स्थपना करना।

(ख) नहीं।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Crushing Capacity of Sugarcane of Cooperatifve Sugar Mill, Palwal

78.Shri Udai Bhan: Will the Miniser of State for Cooperation be pleased t state-

(a(the present installed capacity of sugar-cane crushing of the Cooperative Sugar Mill, Palwal;

(b) the quantity of sugarcane crushed in the vaild Mill during the last crushing season; and

(c) whether therw is any proposal under consideration of the Government to increase the existing crushing capacity of the Mill to meet the increased domeand of the area?

सहकारिता राज्य मंत्री (डा0 रघुवीर सिंह):

(क) सहकारी चीनी मिल पलवल की वर्तमान गन्ना पीड़ने की क्षमता 1250 टन प्रतिदिन हैं।

(ख) चीनी मिल ने पिछले वर्श 1987–88 में 2132051. 25 क्विटल गन्ना पीड़ा था।

(ग) सरकार के विचारधीन इस समय किसी प्रकार की कोई योजना पलबल चीनी मिल की गन्ना पीड़ने की क्षमता बढ़ाने हेतु नहीं।

M.I.T.C. Tubewells in Hassanpur Constituency

79. Shri Udai Bhan: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the total number of tubewells installed by the Minor Irrigation Tubewellls Corporation in Hassanpur Constituency of the State as at presen (upto 31-7-1988);

(b) the number of tubewells, out of those as refrrred to in part (a) above, as are in working order; and

(c) whether there is any proposal under consideration to instal more tubewells in the said constituency during the year 1988-89; if som the number thereof?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) 14

(ख) 12

(ग) नहीं

Number of Gurukuls in the State

80.Shri Hira nand Arya: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the total number of Gurukuls getting maintenance grant from the Government in the State togetherwith the year wise amount of grant given during the years 1982-83 to 1987-88;

(b) whether 'Yoga Education' is being imparted in the said Gurukuls; and

(c) whether therw is also any proposal under consideration of the Government Schools in the State?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद हअमद):

(क) हरियाणा सरकार सो अनुरक्षण अनुदान प्राप्त करने वाले गुरूकुलों की संख्याः–

वर्श	गुरूकुलों/संस्कृत पाठ ाालाओं की कुल संख्या	स्वीकृत अनुरक्षण अनुदान रा ि ा
1982–83	23	128700
1983–84	24	149767
1984–85	23	133567
1985–86	25	149110
1986–87	25	149600
1987–88	26	156000

(ख) योगा ि ाक्षा विशय के रूप में गुरूकुलों में नहीं पढ़ाई जाती। लेकिन योग प्र ि ाक्षण हुतु गुरूकुल में वि ोशज्ञ को कुछ समये के लिए आमन्त्रित किया जाता हैं।

(ग) अभी तक नहीं।

Introduction of +2 Classes Syestem in Government Schools/Colleges

76. Shri Hira Nand Arya: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the number of colleges in the State where + classes are functioning atpresent;

(b) whether the strenght of staff in the said colleges has been increased in proportion to the increase in the number of students in the said colleges;

(c) if the reply to part (b) above is in negative, the steps taken or proposed to be taken to provide required staff therin; and

(d) whether the concept of starting + 2 classes was for schools or colleges and if for schools, the time by which the said classes are likely to be started in all the schools in the State?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद):

(ए) इस समय राज्य में ऐसे 112 महाविद्यालय (37 सरकारी तथा 75 गैर सरकारी) हैं जहां जमा 2 कक्षांए चालू हैं।

(बी) जमा 2 प्रणाली वर्श 1985–86 में चालू की गई थीं। इस वश्र के दौरान किसी भी राजकीय अथवा अराजकीय

महाविद्यालय को उनके वर्क लोड अनुसार कोई अतिरिक्त स्टाफ प्रदान नहीं किया गया था लेकिन वर्श 1986–87 के दौरान राजकीय महाविद्यालयों को 70 प्राध्यापकों के पूर्णकालिन तथा 9 पार्ट टाईम पद उनके वर्कलोड अनुसार स्वीकृत किए गए थे। वर्श 1987–88 के दौरान कोई भी अतिरिक्त स्टाफ इन कालेजो को नहीं दिया जा सका। किन्तु वर्श 1988–89 के दौरान कार्य के आधार पर प्राध्यापकों के अतिरिक्त पद राजकीय महाविद्यालयों एवं प्राईवेट कालेंजों के अतिरिक्त पद राजकीय महाविद्यलायें एवं प्राईवेट कालेजों को स्वीकृत किए जा चुके हैं। इससे उनकी आव यकता की पूर्ति हो जाएगी।

(सी) उपरोक्त (बी) में वर्णित स्थिति के दुश्टिगत इसका प्र न ही नही पैदा होता।

(डी) जमा दो स्तर की ि ाक्षा विद्यालय ि ाक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आती है। यद्यपि ये कक्षाएं महाविद्यालयों में चलाई जा रही हैं। इस समय यह बताया नहीं जा सकता कि राज्य के सभी स्कूलों में ये कक्षाएं कब तक भ्ाुरू की जाएंगी।

Closing Of Rural Employment Exchanges

77.Shri Hira Nand Arya

Shri Vasu Dev Sharma} Will the Minister of State for Labour& Employment be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government ot close Rural Employment Excahges in the stat; if son their number

together with the reasons for closing of said Employment Exchanges?

श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह): जी नहीं।

Loans for Wells and Sprinklers by Lnbad Development Banks

93.Shri Hira nand Arya

Shri Vasu Dev Sharma:} Will the Minster of State for Cooperation be plesed to state:-

(a) the total number of applications for loans for digging of wells and for the purchase of Sprinklers have been received by the Haryana State Coooperative Land Development Banmk Ltd. during the years 1987-88 and 1988-89 todate ;and

(b) the number of persons who were given loans for the purpose as referred to in part (a) above, by the foresaid bank during the las tfive years, separately upto 31-7-88 together with the amount of loan if any earmarked during the year 1988-89?

सहकारिता राज्य मंत्री (डा0 रघुवीर सिंह):

(क) प्राथमिक भूमि विकास बैकों द्वारा वर्श 1987–88 तथा 1988–89 (31–7–88 तक) के समय में कुओं जिन में नलकुप भी सम्मिलित हैं लगाने हेतु ऋण के लिए प्रार्थना पत्रों की कुल संख्या क्रम ा: 7628 तथा 242 हैं। इसके अतिरिक्त वर्श 1987–88

तथा 1988–89(31–7–88 तक) प्रांथमिक भूमि विकास बैंकों द्वारा सपरिकलर सैट खरीद करने के लिए क्रम ाः 1070 तथा 226 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

(ख) प्राथमिक भूमि विकास बैंकों द्वारा पिछले 5 वर्शो में कुओं, नलकूप सहित तथा सपरिकलरो के लिए जो ऋण दिया गया हैं उस से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या तथा ऋण की रा ि ा का ब्यौरा निम्न प्रकार हैंः–

क्र0 स0	वर्श	कुओं/नलकूपों के लिए गए ऋण		सपरिकलर के लिए दिए गए ऋण	
		संख्या	रा ि ा	संख्या	रा ि ा
1	1983–84	9648	1079.34	915	315.48
2	1984–85	9729	1221.46	767	138.10
3	1985–86	4630	653.45	731	115.45
4	1986–87	6164	978.36	1313	222.02
5	1987–88	7514	1266.44	998	183.40

वर्श 1988–89 के लिए 1800.00 लाख रूपये कुओ/नलकूपों तथा 200.00 लाख रूपए सपरिकलर सैंटो के लिए निर्धारित किए गए हैं।

Qualification, Experience for Principals

81. Shri Raghu Yadav: Will the Minister of Educatin be pleased to state-

(a) whether the Governent has revised the qualifacations experience prescribed for appointment to the post of Principals in Senior Secondary Schools; and

(b) is so, the reasons threfor?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमर):

(क) जी हां, प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित अनुभव तीन वर्शो से घटा कर वर्श 1984 में दो वर्श कर दिया गया था।

(ख) योग्यताओं के अनुभव भाग में यह परिवर्तन कुछ मुख्याध्यापकों से प्रतिवेदन प्राप्त होने पर किया गया था।

Civic Amentities for Village Dharuhera

82. Shri Raghu Yadav: Will the Minster for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether the civic amenties provided in Village Dharuheera are adequate to meet the increased demand

resulting from the seeing up of Industrial units in Dhaurhera Industrial area; and

(b) if not, the steps, if any. taken to increase these facilities?

विकास मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) जी हां। गांव धारूहेड़ा में इस समय नागरिक सुविधांए पर्याप्त हैं।

(ख) प्र न उत्पन्न नहीं होता।

Hindi/ Sanskrit Teachers in Mohindergarth District

83. Sh. Raghu Yadav: Will the Minster for Education be pleased to state-

(a) the total number of sanctioned posts of Hindi/Sanskrit teachers in various schools in district Mohindergarh;

(b) the total number of Hindi and Sanskrit teachers working against such posts, as referred to in part (a) above, belonging to district Mohindergarh;and

(c) whether therw is any proposal udner consideration of the Government to iopen Parbhakr-OT/Sanskirt-OT Center in Mohindergarh district?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद):

(क) महेन्द्रगढ़ जिले में हिन्दी अध्यापकों के स्वीकृत पदो की संख्या 337 तथा संस्कृत अध्यपकों की स्वीकृत पदों की संख्या 191 हैं।

(ख) इन पदों के समक्ष कार्य करने वाले महेन्द्रगढ़ जिले के निवासी हिन्दी तथा संस्कृत अध्यापकों की संख्या क्रम ाः 246 तथा 122 है।

(ग) महेन्द्रगढ़ जिले में प्रभाकर ओ0 टी0 तथा संस्कृत ओ0 टी0 संस्थान खोलने के बारे में प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नहीं हैं।

Women Colleges in the State

84. Shri Raghu Yadav: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the district wise total number of women colleges in the State at present; adn

(b) whether there is any proposal undre consideration of the Government to open a new women college in Mohindergarh District; if so the place thereof?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद):

(क) मांगी गई सूचना अनुबन्ध ''ए'' में दी गई हैं।

(ख) हां महेन्द्रगढ़ स्थानीय।

अनुबन्ध–''ए''

राज्य में महिला महाविद्यालयों की जिलावार सूचीः

क्रमांक	जिले का नाम	महिला महाविद्यालयों की संख्या
1	अम्बाला	7
2	भिवानी	2
3	फरीदाबाद	1
4	हिसार	2
5	जीन्द	2
6	करनाल	1
7	कुरूक्षेत्र	4
8	महेन्द्रगढ़	1
9	रोहतक	3
10	सिरसा	3
11	सोनपत	4
		30

नोटः– सरकार द्वारा पलवल में एक प्राईवेट महिला महाविद्यालय रिवाड़ी में एक तथा रोहतक में 2 प्राइवेट महिला महाविद्यालय अकादमिक सत्र 1988–89 से खोलने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका हैं।

Posts of Patwaris in the State

89.Shri Harnam Singh: Will the Minster for Revenue be pleased to state-

(a) the district-wise total number of posts of patwaris in the State at present; and

(b) the number of posts lying vacant, out of those as referred to in part (a) above?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजभान):

(क एवं ख): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती हैं।

सूचना

हरियाणा राज्य में जिलावार कुल पटवारियों के पदों एवं रिक्त पदों बारे संख्या–

क्रं0सख्या	नाम जिला	राज्य में जिलावार कुल पटवारियों के पदों की संख्या	कालम (क) में अकिंत पदों के विरूद्ध रिक्त पदों की संख्या

1	अम्बाला	237	19
2	कुरूक्षेत्र	267	37
3	करनाल	264	38
4	सोनीपत	161	30
5	फरीदाबाद	144	16
6	गुडगांवा	169	28
7	नारनौल	209	16
8	भिवानी	337	43
9	रोहतक	285	45
10	जीन्द	246	14
11	हिसार	489	8
12	सिरसा	328	12
		3136	306

90. Shri Harnam Singh: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the total area of land declared suplus under the Ceiling on Land Holding Act, 1972, in the State; and

(b) the area of land out of that referred to in part (a) above so far allottted togetherwith the number of allottees therof?

राजस्व मंत्री (श्री सूरज भान):

(क) कुल 12732 हैक्टेयर (लगभग 31823 एकड़) रकबा 31 जुलाई, 1988 तक सरप्लस घोशित हुआ थाः तथा

(ख) कुल 8575 हैंक्टेयर (लगभग 21434 एकड़) सरप्लस रकवा 6126 पात्र व्यक्तियों को अलाट किया गया हैं।

High Schools/Private Schools in the State

91.Shri Durga Dutt Atri: Will the Minister fo4r Education be pleased to state-

(a) the district-wise total number of Government High Schools and Privately Managed Gopvernment Aided Schoools separately at presen in the State; and

(b) the number of Goverment High Schools, out of those as refrred to in part (a) above, where the posts of Headmasters have not been filled up so far?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ाीद अहमद): सूचना निम्नानुसार हैं:—

जिला	राजकीय उच्च विद्यालयो की संख्या	अराजकीय सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की संख्या
अम्बाला	139	121
भिवानी	136	19
फरीदाबाद	101	14
गुडगांवा	101	19
हिसार	205	23
जीन्द	120	20
करनाल	148	37
कुरूक्षेत्र	124	29
महेन्द्रगढ़	135	21
रोहतक	205	55
सोनीपत	124	32
सिरसा	80	13
	1618	403

(ख)

क्र0 सं0	जिला	
1	अम्बाला	
2	भिवानी	19
3	फरीदाबाद	3
4	गुडगांवा	15
5	हिसार	34
6	जीन्द	23
7	करनाल	1
8	कुरूक्षेत्र	5
9	महेन्द्रगढ़	15
10	रोहतक	5
11	सोनीपत	4
12	सिरसा	4

		128

Adult Education Centers

92. Shri Durga Dutt Atri: Will the Minister Education be plesed to state the district –wise total number of Adult Education Centres at present together with the details of officers/working therein?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद): प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्रो की जिलावर संख्या और उनमें कार्यरत अधिकारियो/कर्मचारियों का विवरण 31–3–88 की स्थिति अनुसार निम्नलिखित हैं:–

	जिला का नाम	प्रौढ़ ि ाक्षा केन्द्रो की संख्या		अनुदे ाकों की संख्या	पर्यवेक्षको की संख्या	सहायक परियोजना अधिकारी	परियोजना अधिकारी	जिला प्रौढ़ ि ाक्षा अधिकारी
क्रं0		स्वीकृत	चल रहे					

1	अम्बाला	300	300	300	10	1	1	1
2	भिवानी	600	565	565	20	2	2	1
3	फरीदाबाद	600	600	600	20	2	2	1
4	गुडगांवा	300	300	300	10	1	1	1
5	हिसार	600	594	594	20	2	2	1
6	जीन्द	900	875	875	30	3	3	1
7	करनाल	300	300	300	10	1	1	1
8	कुरूक्षेत्र	600	575	575	20	2	2	1
9	महेन्द्रगढ़	600	300	300	20	2	2	1

10	रोहतक	3000	575	575	10	1	1	1
11	सोनीपत	4000	400	400	13	1	1	1
12	सिरसा	6000	590	590	20	2	2	1
		6100	5998	5998	203	20	20	12

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, हमारे ुख्य मंत्री का टैलीफोन टेप होता हैं। उस में मैंन एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस दिया था।

श्री अध्यक्षः वह अंडर कंसिड्रे ान है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, स्प्रिकलर सैट्स की सेल के बारे में मैंने एक प्रिविलेज मो ान दिया हैं। आपको भी भाायद पता हैं कि पिछले दिनों उन लोगों ने मुझे धमकी दी और मुख्य मंत्री को अपनी जेब में बताया हैं।

श्री अध्यक्षः वह अन्डर कंसिड्रे ान हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनका प्रिविलेज मो ान जरूर ऐडमिट होना चाहिए। स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैन्ा ान मो ान दिया हैं कि फरीदाबाद में पिछले कई दिनों से वहां के कम्पलैक्स के प्रमुख प्र ाासन ने गन्दगी फैला रखी हैं। वे जानबूझ कर सफाई नहीं करवाते । मैंने वहां के डी0 सी0 को भी कहा कि आप इसको समझाओं। पहले वहां से लोगों को उजाड़ दिया, अब हैजे से क्यो मार रहे हो? वे कहने लगे कि वह मेरे नीचे नहीं हैं। इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार इस बारें में स्टेटमैंट दे।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप बैठिए।

श्री रतन लाला कटारियाः स्पीकर साहब, मैंन एक ऐडजर्नमैंट मो ान दिया था।

श्री अध्यक्षः वह अंडर कंसिड्रे ान हैं।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने भी सवा बारह बज दो मो ान दिए हैं।

श्री अध्यक्षः वे अभी मेरे पास नहीं पहुंचे दफ्तर में पहुंच गए होंगे। जब मेरे पास आंएगे तो मैं देखूगा।

घोशणाएं

अध्यक्ष द्वारा

(i) श्री तैयब हुसैन का त्यागपत्र तथा पुननिर्वाचन

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 58 (1) के अनुसार मैंने हाउस को इनफार्म करना हैं कि–

Shri Tayyab Hussain, who resigned his scat in the Haryana Legislative Assembly vide his letter dated the 10th April, 1988,has again taken his seat in the House after his re-election as Member.

(ii) **श्री खुर ीद अहमद का त्यागपत्र**

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 58 (1) के अनुसार मैंने हाउस, को इन्फार्म करना हैं कि–

Shri Khursihd Ahmed has resigned his seat in the Haryna Legislative Assembly vide letter dated the 9th August, 1988, and the same has been accepted from the said date

(iii) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः औनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 13(1) के अनुसार फौलोंइग मैम्बर्ज को पैनल आफ चेयरमैन के काम के लिए नौमिनेट करता हूं।–

1. श्री आत्मा राम गोदरा

2. श्री ि ाव प्र ाद

3. श्री योगे ा चन्द्र भार्मा

4. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह

(iv) कमेटी औन पैटी ंज

श्री अध्यक्षः औनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 286 (1) के अनुसार मैं फौंलाइंग मैम्बर्ज को पैनल आफ चेयरमैन के काम के लिए नोमिनेट करता हूं–

1. श्री कुलबीर सिंह मलिक, डिप्टी स्पीकर

2. श्री भगवान सहाय रावत

3. श्री आत्मा राम गोदरा

4. श्री दुर्गा दत्त अत्री

5. श्री हजार चन्द

अनुपस्थिति की अनुमति

श्री अध्यक्षः आनरेबल, मैम्बर्ज, मुझे मि0 ओ0 पी0 भारद्वाज पी0 डब्ल्यू0 डी0 मिनिस्टर से इंटीमे ान मिली हैं जो इस प्रकार हैं–

"III Health () Admitted in Medical College, Rohtak (.) Unable to Attend the Session"

Question is-

That permsiion for leave of absence be granted to the Hon'bel Minster for the current session oif the Hayana Vidhan Sabha.

Voices: Yes, yes.

The motion was carried.

सचिव द्वारा घोशणा

श्री अध्यक्ष: अब सैक्रेटरी एक अनाउसमैंट करेंगे।

सचिव: मान्यवर मैं उन विधयको को द र्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने बजट मार्च–अप्रैल सत्र, 1988 में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी हैं सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

Statement

1. The Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 1988.

2. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1988.

3. The Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill,1988.

4. The Haryana Urban (Control of Rent and Eviction) (Haryana Amendment) Bill,1988.

5. The Haryana Homoeopathic Przctitioners (Haryana Amendment) Bill,1988.

6. The Haryana Salaries and Allowances of Ministers (Haryana Amendment) Bill,1988.

7. The Haryana Rural Development (Haryana Amendment) Bill,1988.

8. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) 1988.

9. The Haryana Legsilative Assembly Allowances of Ministers (Amendment) Bill, 1988.

10. The Haryana Aided Schools (Security of Service) Amendment Bill, 1988.

कार्य सलाहकार समिति की प्रथम रिर्पोट

श्री अध्यक्षः अब मैं वेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिर्पोट करता हूं:—

"The Committee met at 11.00 A.M. on Monday the 22nd August, 1988, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly. whilt in session, shall meet on Monday, at 2-00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on

Tuesday, Wednesday. Thursday and Friday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committeed also recommends that on Froday, the 26th August, 1988 the Assembly shall meet at 9-30 A.M. and adjorun after the conclusion of the business entered on the list of business for the day.

The Committee, after some discussion also recommends that the usiness from 22nd to 26th Ausgust, 1988, be transacted by the Sabha as follows:-

Monday, the 22nd August, 1988 (2.00 P.M)	1	Obituary References.
	2	Question Hour
	3	Presentation and adoptionof the First Report of the Business AdvisoryCommittee.
	4	{a[ers tp ne ;aod re-laid on the Table of the House
	5	{resemtatopm pf Exesss De,amds pver Grants and Appropriations for

		the year 1983-84
	6	{resemtatopm pf twp {re;o,omaru Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final Reports threon
	7	Leave to intrdce and introduction of Governement
Tuesday, the 23rd August, 1988 (9.30 A.M)	1	Question Hout
	2	Discussion and Voting on Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1983-84
	3	Legislative Business
Wednesday, the 24rd August, 1988	1	Question Business

(9.30 A.M)		
	2	Motion under Rule 30.
	3	Papers to be laid on the Table of the House
	4	Appropriation Bill , 1988 in respect of Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1983-84
	5	Legislative Business
Thursday, the 25th August, 1988 (9.30A.M)	1	Question Hour
	2	Legislative Business
Friday, the 26th August, 1988 (9.30 P.M)	1	Question Hour
	2	Motion Under Rule 15 regard8hg Non-stop stting.

	3	Motion under Rule 16regarding adjournment of the Sabha sincedie
	4	Legislative Business.
	5	Any other Business."

अब पार्लियामैटरी अफेयर्ज मिनिस्टर प्रस्ताव करेंगे कि यह ाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ाज से सहमति प्रकट करता हैं।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Busincess Advisory Committee.

श्री अध्यक्ष महोदयः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ाज से सहमति प्रकट करता हैं।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकमैंडे ाज से सहमति प्रकट करता हैं।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब टेबल आफ दि हाउस पर पेपर ले/री–ले करेंगे

1 Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh): Sir, I beg to –

1. Lay on the Table the Haryana Municipal (Amendment) Ordinance, 1988 (Haryana Ordinance No. 1 of 1988.

2. Re-lay on the Table the General Administration Department Notification No. G.S.R/25.Const./Art.320/Amend. (III) 88. dated 15 th March, 1988 as required under Article 320(5) of the Constitution of Indai.

I beg to lay on the Table

3. The 20th Annual Report of Haryana Warehousing Corporation for the year 1986-87 as required under Sectin 31(ii) of the Warehousing Corporatiion Act, 1962.

4. The 13th Annual Report of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd. for the year 1986-87 as required under Section 619(1) and (3) of the Companies At, 1956.

5. The 9th Annual Report and Accounts of Haryana State Handloom & Handicarfts Corporation Ltd. for the year ending 31-3-1985 as required under Section 619(A) (3) of theCompanies Act, 1956.

6. Teh Annual Report and Accounts for the year 1985-86 of the Hryana Dairy Development Corporation Ltd. as required under section 619 (a) (3) of the Companies Act, 1956.

7. The 19th Annual Report and Accounts of the Haryana Agro-Industries Corporation Ltd. For the year 1985-86 as required under Sectin 619 (a) (3) of the Companes Act, 1956.

8. The 10 Annual Report and Accounts of Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. for the year 1986-87 as required under Section 619(A) (A) of the Companies Act, 1956 .

9. The 20th Annual Report and Accounts of Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. for the year 1986-87 as rqquired unde Section 619(A) of the Comopanies Act. 1956.

10. The 5th Annual Report and Accounts of Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. for the year 1986-87 as rqquired unde Section 619(A) of the Comopanies Act. 1956.

11. The Report of the Comptroller and Auditor General of Indai for the year 1986-87 (Revenue Receipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

12. The Report of the Comptroller and Auditor General of Indaia for the year 1986-87 (Commercial) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वर्श 1983–84 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे पे ा करना

श्री अध्यक्षः अब फाईनैन्स मिनिस्टर ईयर 1983–84 के ऐक्सैस डिमांडज ओबर ग्रान्टस एण्ड ऐप्रीप्रिए ांज पे ा करेंगे।

उप–मुख्य मंत्री(श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं वर्श 1983–84 के लिए अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे पे ा करता हूं।

वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री हजारी लाल, पुलिस उपाधीक्षक, जीन्द के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी आत्मा राम गोदरा एम0 एल0 ए0, चेयरमैन प्रिविलेजि कमेटी, 12–9–1987 को श्री हजारी लाल पुलिस उपाधीक्षक, जीन्द द्वारा टेलीफोन पर श्री डी0 डी0 अन्नी, एम0 एल0 ए0 तथा सदन के विरूद्ध अत्याधिक अप्रतिश्ठाकारी, अपमानपूर्ण तथा तिरस्कार पूर्ण भाशा प्रयोग करने संबधी अभिकथित वि ोशाधिका भंग के प्र न संबंधी मामले पर

वि ोशाधिकार समिति का तृतीय प्रारम्भिक प्रतिवेदन पे ा करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हूं–

कि सदन को अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र को प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान को फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैण्ड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान को फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैण्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) **श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम, भूतपूर्व एम0 एल0 एज0 के विरूद्ध**

श्री अध्यक्षः अब चौधरी आत्मा राम गोदरा, एम0 एल0 ए चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी, श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम, भूतपूर्व एम0 एल0 एज के विरूद्ध 21 दिसम्बर 1987 को सै ान में

उपस्थित होने के लिए हरियाणा विधान सभा की और आते समय माननीय मुख्य मंत्री तथा संबधी वासुदेव भार्मा, मांगे राम तथा धीरपाल, एम0 एल0 एज0 को रोकने तथा हथपाई करने संबंधी अभिकथित वि ोशधिकार भंग के प्र न संबंधी मामले पर समिति की द्वितीय प्रारम्भिक रिपोर्ट प्रेजैन्ट करेंगे।

श्री आत्मा राम गोदरा (चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी): अध्यक्ष महोदय मैं श्री इन्द्र सिंह नैन तथा श्री भले राम, भूतपूर्व एम0 एल0 एज0 के विरूद्ध 21 दिसम्बर, 1987 को सत्र में उपस्थित होने के लिए हरियाणा विधान सभा की ओर आते समय माननीय मुख्य मंत्री तथा सर्वत्री वासुदेव भार्मा, मांगे राम धीरपाल, एम0 एल0 एज0 को रोकने तथा हाथापाई करने संबंधी अभिकथित वि ोशाधिकार भंग के प्र न संबंधी मामले पर वि ोशाधिकार समिति का द्वितीय प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं–

कि सदन को अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पे ा हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्स्टैण्ड कर दिया जाए।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं इन से यह जानना चाहूंगा कि इस रिपोर्ट को अब तक पे ा न कर सकने के क्या कारण हैं और यह समय में बढ़ौत्तरी क्यों मांग रहे हैं?

श्री अध्यक्षः यादव साहब, आप बैठे।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्स्टैण्ड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

बिल्ज (इंट्रोड्यूस्ड–सदन की अनुमति से)–

(i) **दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल मार्किटस (हरियाणा सेकन्ड अमैडमैंट) बिल, 1988**

श्री अध्यक्षः अब ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किटस हरियाणा सैकन्ड अमैंडमैंट) बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने के लिए हाउस से परमि ान लेंगे।

Agriculture Minister (Shri Tayyab Hussain): Sir, I beg to move-

That leave be granted to introduce the Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Second Amendment) Bill, 1988.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न हैं। मैं आपका ध्यान रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कन्डक्ट औफ बिजनैस के रूल 122 की ओर दिलाना चाहता हूं जो कि इस प्रकार हैं–

"Any member desiring to move for leave to introduce a Bill shall give fifteen day's notice of hisa intention.....

इस प्रकार इनको 15 दिन का नोटिस देना चाहिए था।

श्री अध्यक्ष: आपने ऊपर की लाइने तो पढ़ लो लेकिन नीचे नहीं पढ़ा कि क्या लिखा है। नीचे की लाइनों को भी यदि आप पढ़ लीजिए तो आपको सारी बात कलीयर हो जाएगी।

प्रस्ताव पे ा हुआ कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरण प्रोड्यूस मार्किटस हरियाणा सैकन्ड अमैंडमेंट बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमि ान दी जाए।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर सर, मैं बड़े अदब के साथ आपके द्वारा माननीय मंत्री चौधरी तैयब हुसैन जी से कहना चाहूंगा कि वे अभी–अभी जनादे ा लेकर सदन में पधार हैं। वे बड़ी काबलियत के मालिक हैं। वे इस बिल के माध्यम से हरियाणा में लोकतन्त्र की हत्या करना चाहते हैं। उनके पुराने दोस्त बंसी लाल जी रहे हैं, उनके समय मे यह बात होती थी। मैं अर्ज करूंगा कि वे चौधरी देवी लाल के समय में ऐसा न करें। स्पीकर

साहब, नोमिने ान की बीमारी कांग्रेस ने भाुरू की थी, बंसी लाल जी के समय में, स्पीकर साहब, श्री महेन्द्र प्रताप जी जरा ध्यान दें, मैं आपके द्वारा इनसे कहूगा कि हर बात में नोमिने ान हुआ करती थी। क्या उनको डैमोक्रेसी से डर लगता था? मार्कीट कमेटीज में नोमिने ान करना,म्यूनिसिपल कमेट्िया तोड़ देना और 10—10, 20—20, साल तक चुनाव न करवाना,ये इन्ही को परम्पराएं रही हैं। हमारी सरकार तो डैमोक्रेटिव सरकार हैं । चौधरी देवी लाल जी सारी जिन्दगी डैमोक्रेसी के लिए लड़ते रहे, हम उनके साथ रहे । आज हम इस प्रकार के अन—डैमोक्रेटिव कदम उठाने पर क्यों तुले हुए हैं? मार्कीटिंग कमेटियां में नौमिने ान को क्या आाव यकता हैं? फैक्टरी वालों की तरह, व्यापारियों की तरह, पार्टियों की तरह वहां भी चुनाव होने चाहिए थे। मुझे याद हैं स्वीर्गीय ज्ञान सिंह राड़ेवाला पंजाब में मिनिस्टर हुआ करता थे। उस समय गैस बढ़ाने की बात थी। हमने जब उनसे कहा कि यह आप क्या करने जा रहे हैं तो उन्होनें कहा कि मै हाउस की बात को ध्यान में रखते हुए सैस नही लगाता क्योंकि जनता की आवाज को मानना डैमोक्रेसी का फर्स्ट स्टैप है। स्पीकर साहब, हम लोक सभा के लिए चुनाव करते हैं, विधान सभा के लिए चुनाव करते हैं और अभी—अभी हरियाणा में पंचायतों के चुनाव हुए है। बड़ी भाांतिपूर्वक लोगों ने अपने नुमाइन्दे चुने हैं। स्पीकर सर, मैं यहां पर यह आ ाा करते हुए वहां पर चुनाव करवाएगी और प्रजातन्त्र और लोक तन्त्र को बहाल करेगी। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहूंगा, ईमानदारी से मेरी यह राय हैं कि इस प्रकार की

नोमिने ान से करप ान को बढ़ावा मिलेगा। मैं अपने कैबिनेट के तीनों माननीय सदस्यों से जो कि भाायद मेरी बात नहीं किसी और बात पर हंस रहे हैं, कहना चाहूंगा कि इस मामले पर दोबारा विचार करने और सोचने के बाद ही इसको सदन में लांए। सदन में आने के बाद तो इस बिल के पास होने में कोई दिक्कत नहीं होगी। हमें तो वोट देना ही देना हैं। और सरकार के हक में देना हैं क्योंकि हम सरकार के साथ हैं मैं आपसे यह अर्ज करना चाहूंगा कि it is a very dangerous and disastrous step, For God sake, kindly withdraw it.

श्री रघु (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, अभी पंजाब कृशि उपज मण्डी (हरियाणा द्वितीय सं ाोधन) विधेयक, 1988 माननीय कृशि मंत्री ने सदन के पटल पर रखा हैं और उसे इंट्रोड्यूस करने की अनुमति भी मांगी हैं। ऐसा सं ाोधन करना लोकतांत्रिक प्रणाली और प्रक्रिया की मूल भावनाओं के विरूद्ध जाता हैं। हमें ज्यादा से ज्यादा निर्वाचित प्रतिनिधितत्व वाली संसदीय प्रणाली के अनुरूप चलना चाहिए। जो लोग सरकार के द्वारा मनोनीत होंगे उन पर भी सरकार को तीन साल तक भरोसा नहीं रहता।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए। जो आपने कहना था कह दियां। आप तो भाशण देने लगे। (विघ्न)

श्री रघु यादव: अध्यक्ष महोदय, मनोनीत सदस्य हैं फिर भी इन्हें यह भी वरदास्त नहीं हैं कि वे अपने में से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुने लें। ये चाहते हैं कि सदस्यों के साथ–साथ अध्यक्ष

और उपाध्यक्ष भी मनोनीत किए जाएं। आज हमें अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली पर गौरव हैं। जिस बात के लिए आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी, यह बात उसके खिलाफ हैं। मैं माननीय कृशि मंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे इस सं ाोधन विधेयक को वापिस लें। वे खुद भी इस सदन में चुन कर आए है। उन्होंनैं जनता के प्लैजर पर इस सदन की सदस्यता ग्रहण की हुई हैं। इसलिए कृशि मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वे इसे वापिस ले लें।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा सैंकिड अमैडमैंट) बिल 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमि ान दी जाए

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिज इंट्राड्यूस करेंगे।

Agriculture Minister (Shri Tayyab Hussain): Sir, I interoduce the Bill.

(ii) **दि पंजाब न्यू टाउनि ाप (स्ट्रीट लाइटिंग एंड वाटर सप्लाई) फीस हरियाणा रिपील बिल, 1988**

श्री अध्यक्षः अब होम मिनिस्टर साहब दि पंजाब न्यू टाउनि ाप (स्ट्रीट लाइटिंग एंड वाटर सप्लाई) फीस हरियाणा

रिपील बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने के लिए हाउस की परमि ान लेंगे।

Home Minister(Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That leave be granted to introduce the Punjab New Township (Street Leghting and Water Supply) Fees Haryana Repeal Bill, 1988.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा सैंकिड अमैडमैंट) बिल 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमि ान दी जाए

श्री हीरा नन्द आर्यः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरे ख्याल में इस बिल की तरह के ही और भी 5–6 बिल आ रहे है। यदि कोई ऐमरजैन्सी हो तो अध्यक्ष महोदय को पूरा अधिकार है कि 15 दिन का नोटिस दिए बिना ही बिल इंट्रोड्यूस करने की कोि ा ा दे सकते हैं। लेकिन अब ऐसी कोई ऐमरजैन्सी नहीं हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अगर आप यह मानते हैं कि मुझे पूरा अधिकार हैं तो मैंने अपने अधिकार को इस्तेमाल कर लिया। अब आपको किस बात पर एतराज हैं? आप बैठिए।

प्र न कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा सैंकिड अमैडमैंट) बिल 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमि ान दी जाए

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिल इंट्रोड्यूस करेंगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I introduce the Bill.

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता हैं।

(16.20 बजे)

(तत्प चात् सदन मंगलवार दिनांक 23 अगस्त, 1988 को प्रातः 9.30 तक के लिए स्थगित हुआ)।